mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-120 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

01 नवंबर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

जेमिमा रोड्रिग्ज : 2022

@ पेज 7

मोहम्मद अजरुद्दीन रेवंत रेड्डी सरकार के पहले मुस्लिम मिनिस्टर

हैदराबाद में शपथ ग्रहण समारोह हुआ

हैदराबाद, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर और एमएलसी मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। आज राजभवन में उनका शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ।

दरअसल, तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। इस सीट पर मुस्लिम मतदाता 30त्न हैं। माना जा रहा है कि अजहरुद्दीन की कैबिनेट में एंट्री से कांग्रेस को फायदा मिलेगा। अजहरुद्दीन 2023 में इसी सीट से चुनाव हार चुके हैं। वहीं, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार में अभी एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं था। इस वजह से मुस्लिम समुदाय को कैबिनेट में प्रतिनिधित्व न देने का आरोप लग रहा था।

क्रेन हवा में अटकी, सांसद ने ऑपरेटर को थप्पड़ जड़ा

अंबेडकर प्रतिमा पर माला चढ़ाकर उतरते वक्त झटका लगा तो भड़के गणेश सिंह

सतना, एजेंसी। क्रेन में बैठे सतना सांसद गणेश सिंह को झटका लगा तो वे ऑपरेटर पर भड़क गए। उसे सबके सामने थप्पड़ मार दिया। मामला शुक्रवार को सरदार पटेल जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का है। इसका वीडियो भी सामने आया है। सांसद गणेश सिंह ने सुबह रन फॉर यूनिटी में हिस्सा लिया। इसके बाद वे सेमरिया चौक पहुंचे। यहां क्रेन के हाइड्रोलिक बॉक्स में चढ़कर अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इसके बाद नीचे आते समय मशीन अचानक झटके से बीच में रुक गई। सांसद कुछ देर हवा में ही अटके रहे। मशीन हिली तो असंतुलन की स्थिति बन गई।

कर्नाटक में भाजपा नेता के बेटे ने टोलकर्मी को पीटा

बोला- तुम जानते नहीं मैं कौन हूं; स्टाफ ने फ्री में जाने से रोका था

विजयपुरा, एजेंसी।

कर्नाटक के विजयपुरा-कलबुर्गी हाइवे पर एक टोल बूथ पर भाजपा नेता के बेटे और उसके दोस्तों ने टोलकर्मी से मारपीट की। टोलकर्मी ने भाजपा नेता के बेटे को फ्री में टोल पार करने देने से मना कर दिया था।आरोपी की पहचान समर्थगौड़ा पाटिल के रूप में हुई है। वह भाजपा नेता और बाबलेश्वर से पूर्व उम्मीदवार विजुगौड़ा पाटिल के बेटा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें समर्थगौड़ा और उसके दोस्त एक टोल कर्मचारी के साथ मारपीट और गाली-गलौज करते हुए देखे गए।

पुलिस ने शुक्रवार को वीडियो की पुष्टि की और बताया कि यह घटना गुरुवार को कन्नोली में हुई। पुलिस के अनुसार, समर्थगौड़ा और उनके दोस्त एक कार से विजयपुरा से सिंदगी जा रहे थे। टोल बूथ पर टोलकर्मी संगप्पा ने उन्हें रोका और पैसे देने को कहा।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए का घोषणा पत्र जारी

केजी-पीजी तक मुफ्त शिक्षा,1 करोड़ नौकरी का वादा,कांग्रेस बोली- 26 सेकेंड में मेनिफेस्टो जारी किया, इनके वादे झूठे

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें रोजगार, औद्योगिक निवेश, कृषि सुधार, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना के व्यापक विकास की श्रृंखला में 20 ठोस 'संकल्पों की घोषणा की गई है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि यह देश के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जारी किया गया है। उन्होंने कहा, ''यह दिन हमें एकता, विकास और संकल्प की भावना की याद दिलाता है।

एनडीए बिहार को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार अगले पांच वर्षों में राज्य के एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का संकल्प लेती है। प्रत्येक जिले में स्थापित विशाल कौशल केंद्रों को 'वैश्विक कौशल केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। घोषणापत्र में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ''एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। चौधरी ने कहा, ''एनडीए बिहार की महिलाओं को करोड़पति उद्यमी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। चौधरी ने कहा, ''आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा।

कृषि क्षेत्र के लिए एनडीए ने 'कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि शुरू करने की घोषणा की है, जिसे केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से लागू किया जाएगा।

इंदिरा गांधी की 41वीं पुण्यतिथि- सोनिया, राहुल ने श्रद्धांजलि दी

राहुल ने लिखा- उन्होंने हमें सिखाया भारत के स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं

दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आज 41वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और लोकसभा के विपक्षी नेता राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी को दिल्ली के उनके मृत्यु स्मारक शक्ति स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इंदिरा गांधी को 31 अक्टूबर 1984 को उनके ही दो बॉडीगार्ड ने हत्या कर दी थी। वे भारत की तीसरी और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री थीं, जिन्होंने 1966 से 1977 और फिर 1980 से 1984 तक देश का नेतृत्व किया था। उनके मृत्यु स्मारक शक्ति स्थल की स्थापना उनकी मृत्यु के एक साल बाद 1985 में की गई थी। आज देश लौह महिला इंदिरा गांधी को उनकी 41वीं पुण्यतिथि पर नमन कर रहा है। वे असाधारण साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, धैर्य और अदम्य संकल्प की प्रतीक थीं – इंदिरा गांधी ने हर चुनौती का सामना अडिग होकर किया।उन्होंने आगे 13 अगस्त 1977 की शाम को याद करते हुए लिखा कि बारिश हो रही थी ,जब इंदिरा गांधी कार, जीप, ट्रैक्टर और फिर हाथी पर सवार होकर बिहार के सुदूर गांव बेलछी पहुंचीं। वहां उन्होंने जातीय हिंसा में पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

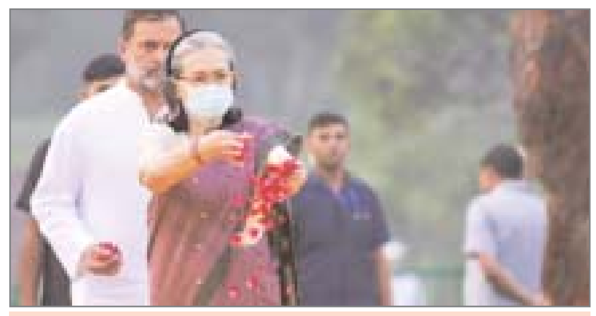

इंदिरा गांधी ने हर चुनौती का सामना अडिग होकर किया : जयराम रमेश

इस मौके पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी इंदिरा गांधी को याद करते हुए 1977 के उनके बेलछी दौरे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा जी ने उस समय कार, जीप और ट्रैक्टर से सफर किया और फिर हाथी पर सवार होकर बेलछी गांव पहुंचीं, जहां जातीय हिंसा से तबाह परिवारों से मिलीं।

सरदार वल्लभ भाई पटेल को भी पुष्पांजली दी

देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने संसद के सेंट्रल हॉल में पुष्पांजली दी।

एसआईआर के एलान के बाद बंगाल के मतुआ समुदाय में डर का माहौल, भाजपा और टीएमसी की बढ़ी चिंता

कोलकाता, एजेंसी। हाल ही में चुनाव आयोग ने देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कराने का एलान किया है। चुनाव आयोग के इस एलान के साथ ही पश्चिम बंगाल के मतुआ समुदाय में डर, नाराजगी और चिंता का माहौल है। मतुआ समुदाय को विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत बड़े पैमाने पर वोट देने का अधिकार छिन जाने का डर सता रहा है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस, दोनों ही पार्टियों का मतुआ समुदाय में जनाधार है, ऐसे में दोनों पार्टियों को अपने वोटबैंक की नाराजगी की चिंता सता रही है।

राज्य की 40 विधानसभा सीटों पर मतुआ समुदाय का प्रभाव:मतुआ समुदाय एक हिंदू शरणार्थी समुदाय है और इस समुदाय के लोग उत्तर 24 परगना, नादिया और दक्षिण 24 परगना के कुछ हिस्सों में रहते हैं और बंगाल की 40 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर इनका प्रभाव है। चुनाव आयोग ने साल 2002 के बाद पहली बार फर्जी, मृत और अयोग्य वोटरों को हटाने के लिए एसआईआर कराने का फैसला किया है। ऐसे में जो लोग 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें अब अपनी योग्यता साबित करने के लिए दस्तावेज देने होंगे।

राजनेताओं के बयानों से बढ़ा असमंजस :मतुआ समुदाय के हजारों लोग दशकों से बांग्लादेश से बिना दस्तावेजों के पलायन कर भारत में बसे हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सबसे प्रमुख मतुआ नेता बनगांव सांसद शांतनु ठाकुर ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा, अगर शरणार्थी मतुआ लोगों के नाम हटा दिए जाते हैं तो चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें सीएए के तहत भारतीय नागरिकता मिलेगी। हालांकि उनके बयान के बावजूद मतुआ लोगों की नाराजगी शांत नहीं हुई है। वहीं मतुआ के प्रथम परिवार की नेता और शांतनु ठाकुर की चाची टीएमसी की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर ने समुदाय के नेताओं की ठाकुरनगर में बैठक बुलाई है। इस बैठक में अगले कदम पर चर्चा की जाएगी।

टीएमसी सांसद ने कहा कि 2002 के बाद आने वाले लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं, जिससे उनके वोट देने का अधिकार छिन सकता है। भाजपा के नागरिकता देने वाले जुमले के बाद से समुदाय के लोग हमें वोट दे रहे हैं। भाजपा विधायक सुब्रत ठाकर ने कहा कि जो लोग 2002 से 2025 के बीच भारत आए हैं, उन्हें दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि अगर वे सीएए के तहत आवेदन करेंगे तो हम उनके नाम रखने की अपील कर सकते हैं लेकिन चुनाव आयोग स्वायत्त निकाय है और उनके नाम रखे जाएंगे या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

जयपुर में हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट (जयपुर) को ई-मेल पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ई-मेल में तमिलनाडु की सरकार, नाबालिगों से रेप को लेकर नाराजगी है। आरोपी ने तुरंत बिल्डिंग खाली कराने के लिए लिखा है। शुक्रवार सुबह मिले धमकी भरे मेल के बाद बिल्डिंग को खाली कराया गया है। धमकी की जानकारी मिलते ही परिसर में हड़कंप मच गया। सभी को आनन-फानन में बिल्डिंग से बाहर भेजा गया। डॉग स्क्वॉड की टीम बिल्डिंग में सर्च कर रही है। इस बीच कोर्ट के बाहर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हैं। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि फिलहाल बिल्डिंग में सर्च जारी है। सुरक्षा के लिहाज से कोर्ट में मौजूद सभी लोगों को परिसर से दूर रहने के लिए कहा गया है। धमकी भरे मेल करने की जांच साइबर टीम कर रही है ।

देश के 1466 जांबाजों को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

पहलगाम हमले के मास्टरमांइड को मारने वाले 20 पुलिस कर्मी होंगे सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर से 1466 सुरक्षाबल कर्मियों को गृह मंत्रालय की तरफ से केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक 2025 के लिए चुना गया है। शुक्रवार को गृह मंत्रालय ने इसकी घोषणा की।

ये मेडल चार फील्ड- स्पेशल ऑपरेशन्स, इनवेस्टीगेशन, इंटेलिजेंस एंड फोरेंसिक साइंस के कर्मचारियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन, प्रोफेशनलिज्म और अपने साथियों का मनोबल बढ़ाने के लिए दिया जाएगा। हालांकि यह मेडल कब और कहां दिए जाएंगे, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। इसमें मई-जुलाई में हुए काउंटर टेरर मिशन ऑपरेशन महादेव में शामिल जम्मू-कश्मीर के वे 20 पुलिस कर्मी भी हैं, जिन्होंने पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड आतंकवादी सुलेमान उर्फ आसिफ को मार

गिराया था। ऑपरेशन में मारे गए तीन पाकिस्तानी आतंकियों में जिब्रान (अक्टूबर 2024 में सोनमर्ग सुरंग हमले में भी शामिल) और हमजा अफगानी भी थे।

2024 में मेडल की शुरुआत हुई- केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक 1 फरवरी 2024 को शुरू किए गए थे। इन्हें देशभर की पुलिस बलों, सुरक्षा एजेंसियों, खुफिया विभागों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विशेष शाखाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों और फोरेंसिक विज्ञान विभागों के कर्मियों को दिया जाता है।

पीएम बोले- पटेल चाहते थे पूरा कश्मीर हमारा हो

नेहरू ने बांटा; जो अंग्रेज नहीं कर पाए कांग्रेस ने किया, वंदे मातरम् का हिस्सा काटा

कांग्रेस की गलती की आग में कश्मीर दशकों तक जलता रहा

वडोदरा, एजेंसी। पीएम मोदी शुक्रवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात पहुंचे। उन्होंने नर्मदा जिले के एकता नगर में सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) पर पुष्पांजलि अर्पित की। एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का आयोजन हुआ।

पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- सरदार पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। कश्मीर को अलग संविधान से बांट दिया। कांग्रेस की गलती की आग में देश दशकों तक जलता रहा।

पीएम ने कहा- कांग्रेस को न केवल अपनी पार्टी और सत्ता, बल्कि गुलाम मानसिकता अंग्रेजों से विरासत में मिली है। जब अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया, तो वंदे मातरम् राष्ट्र की एकता और एकजुटता की आवाज बना। अंग्रेजों ने वंदे मातरम् पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन कभी सफल नहीं हुए।

मोदी ने कहा- जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वह कांग्रेस ने कर दिया। कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर वंदे मातरम् के एक हिस्से को हटा दिया। इसका मतलब है कि कांग्रेस ने समाज को विभाजित किया और ब्रिटिश एजेंडे को आगे बढ़ाया।

पीएम ने राष्ट्रीय एकता दिवस परेड की सलामी ली पीएम ने संबोधन से पहले राष्ट्रीय एकता दिवस परेड की सलामी ली। परेड में शामिल सभी टुकड़ियों का नेतृत्व महिला अफसरों ने किया। परेड में BSF, CISF, ITBP, CRPF, और सीमा सुरक्षा बल समेत 16 टुकड़ियों ने हिस्सा लिया।

परेड में ऑपरेशन सिंदूर में BSF के 16 पदक विजेता और CRPF के 5 शौर्य चक्र विजेता भी शामिल हुए। परेड का नेतृत्व हेराल्डिंग टीम के 100 सदस्यों ने किया, जबकि 9 बैंड टुकड़ियां और 4 स्कूल बैंड ने परेड में परफॉर्म किया।

मोदी बोले– कांग्रेस को अंग्रेजों से गुलाम मानसिकता विरासत में मिली

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा– कांग्रेस को न केवल अपनी पार्टी और सत्ता अंग्रेजों से विरासत में मिली, बल्कि गुलाम मानसिकता को भी आत्मसात किया। कुछ ही दिनों में वंदे मातरम् अपनी 150वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।जब अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया, तो इसके विरोध में वंदे मातरम् नागरिकों की आवाज बना। मोदी ने कहा– अंग्रेजों ने वंदे मातरम् बोलने पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की। वे कभी सफल नहीं हुए। वंदे मातरम् का मंत्र भारत के हर कोने में गूंजता रहा। जो काम अंग्रेज करने में विफल रहे, कांग्रेस ने हासिल किया।

परमिट रूट से बाहर हादसे पर भी मुआवजा मिलेगा

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : कर्नाटक की बीमा कंपनी पीड़ित को पैसा दे, 11 साल पुराने केस में फैसला

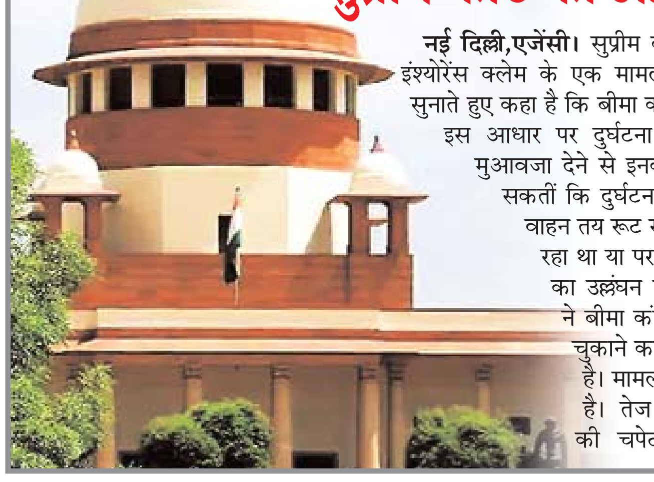

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बीमा इंश्योरेंस क्लेम के एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा है कि बीमा कंपनियां सिर्फ इस आधार पर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने से इनकार नहीं कर सकतीं कि दुर्घटना करने वाला वाहन तय रूट से अलग चल रहा था या परमिट की शर्तों का उल्लंघन हुआ था। स्ष्ट ने बीमा कंपनी को राशि चुकाने का आदेश दिया है। मामला 2014 का है। तेज रफ्तार बस की चपेट में आकर एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई थी। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने 18.86 लाख रुपए मुआवजे का आदेश दिया था। वाहन मालिक ने इसे कर्नाटक हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

वाहन मालिक और इंश्योरेंस कंपनी की दलील : बीमा कंपनी ने भी तर्क दिया था कि वाहन ने बीमा पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन किया था। हाई कोर्ट ने बीमा कंपनी को निर्देश दिया कि पहले मुआवजा अदा करे और बाद में वाहन स्वामी से वसूले। इसके खिलाफ बीमा कंपनी और वाहन मालिक सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच का कहना : जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि बीमा पॉलिसी का मकसद यह है कि अगर कभी कोई अचानक हादसा हो जाए, तो वाहन मालिक या चालक को होने वाले आर्थिक नुकसान या जिम्मेदारी से बचाया जा सके।

बीमा कंपनी की अपील खारिज : सिर्फ दुर्घटना परमिट की सीमा के बाहर होने के आधार पर पीड़ित या उसके आश्रितों को मुआवजा न देना न्याय की भावना के विपरीत होगा। शीर्ष अदालत ने वाहन मालिक और बीमा कंपनी की अपील खारिज कर दी।

50 प्रतिशत गाड़ियां बिना इंश्योरेंस के सड़कों पर : वहीं सुप्रीम कोर्ट की बेंच 30 अक्टूबर को एक अन्य मामले की सुनवाई कर रही थी। इसमें तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक इंश्योरेंस कंपनी को सड़क हादसे में मृत व्यक्ति के परिवार को करीब 10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था। क्लेम करने वालों ने 1996 में एक एक्सीडेंट में अपने परिवार के सदस्य को खो दिया था।

इसी दौरान दावेदारों की ओर से वरिष्ठ वकील जॉय बसु ने बताया कि देश में करीब 50त्न वाहन इस समय बिना बीमा के चल रहे हैं। इस बात ने जस्टिस करोल का हैरत में डाल दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगे सुझाव : वरिष्ठ वकील बसु ने कहा कि कोर्ट को इस स्थिति से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश देने चाहिए। इस पर जस्टिस करोल ने उनसे सहमति जताते हुए सुझाव मांगे।

उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- दिल्ली दंगों से मेरा कोई संबंध नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपित उमर खालिद ने उच्चतम न्यायालय में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि उन्हें हिंसा से जोड़ने वाला कोई भी सबूत नहीं है और उन पर लगाए गए साजिश के आरोप पूरे तरीके से बेबुनियाद हैं। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 3 नवंबर को करने का आदेश दिया। उमर खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि अभियोजन पक्ष अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस सामग्री पेश नहीं कर पाया है। सिब्बल ने कहा कि उमर खालिद के पास से न तो कोई धन बरामद हुआ है और न हथियार। न ही कोई ऐसा सबूत है, जो उन्हें दंगों से जोड़ता हो। सिब्बल ने कहा कि 751 एफआईआर हैं और मैं केवल एक में आरोपित हूं। अगर यह कोई साजिश थी तो यह आश्चर्यजनक है। जिन तिथियों पर दंगे हुए उन दिनों उमर खालिद दिल्ली में था ही नहीं। सिब्बल ने कहा कि किसी गवाह के बयान में खालिद को किसी हिंसक घटना से

नहीं जोड़ा गया है।

सिब्बल ने कहा कि न्यायिक समानता के आधार पर उमर खालिद को जमानत मिलनी चाहिए, क्योंकि इस मामले के दूसरे आरोपितों नताशा नरवाल, देवांगन कलीता और आसिफ इकबाल तान्हा को 2021 में ही जमानत मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस अमरावती भाषण को भड़काऊ बताया था वह दरअसल गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित सार्वजनिक भाषण था, जो अब भी यूट्यूब पर उपलब्ध है। इस मामले के दूसरे आरोपितों गुलफिशा फातिमा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि वो अप्रैल, 2020 से यानि पांच साल पांच महीने से जेल में है, लेकिन उन्हें अब तक जमानत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्य चार्जशीट सितंबर, 2020 में दाखिल हो चुकी थी लेकिन अभियोजन पक्ष हर साल पूरक चार्जशीट दाखिल कर वार्षिक रस्म अदायगी कर रहा है। सिंघवी ने कहा कि फातिमा पर आरोप सिर्फ इतना है कि उन्होंने एक व्हाट्स ऐप ग्रूप बनाया था ताकि समर्थन जुटाया जा सके। सुनवाई के दौरान आरोपित शरजील इमाम की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि पुलिस ने जांच पूरी करने में तीन साल लगा दिए, जबकि शरजील पांच साल से जेल में है। उन्होंने कहा कि शरजील के भाषण दंगों से करीब दो महीने पहले दिए गए थे। ऐसा कोई भी प्रत्यक्ष सबूत नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि शरजील इमाम ने हिंसा भड़काई।

दिल्ली पुलिस ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपितों की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि आरोपितों ने देश की अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने की देशव्यापी साजिश रची थी। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे के समय जानबूझकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए ताकि इन पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान जाए। इन विरोध प्रदर्शनों के जरिये नागरिकता संशोधन कानून को लेकर ये भ्रम पैदा करने की कोशिश की गई थी कि ये मुस्लिम विरोधी कानून है।

दिल्ली पुलिस ने आरोपितों की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि यूएपीए के आरोपितों के लिए जेल ही नियम है जमानत नहीं। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि ट्रायल में हो रही देरी के लिए आरोपी ही मुख्य रुप से जिम्मेदार हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि इन मामलों में 900 नहीं बल्कि केवल 155 गवाह हैं। कोर्ट ने 22 सितंबर को जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया था। सभी आरोपितों ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती दी है। 2 सितंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था।

जहरीली हवा से अस्पतालों में आंख के 60 फीसदी मरीज बढ़े, ट्रैफिक पुलिसकर्मी और स्कूली बच्चे अधिक प्रभावित

दिल्ली, एजेंसी। जहरीली हवा ने सबसे अधिक आंखों पर प्रभाव डाला है। दिल्ली के अस्पतालों में करीब 60 फीसदी आंखों के मरीज बढ़े हैं। ओपीडी में आने वाले अधिकतर मरीजों में एलर्जी, सूखापन, तेज जलन और आंखों से लगातार पानी आने की शिकायतें मिली हैं। यह परेशानियां बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और बाहर काम करने वालों को सबसे ज्यादा सता रही हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि अगर समय रहते सावधानी नहीं बरती गई तो ये छोटी-छोटी दिक्कतें आंखों की गंभीर बीमारियों में बदल सकती हैं। दिल्ली आई सेंटर के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. हरबंश लाल ने बताया कि दीपावली के बाद ये समस्या हर साल बढ़ती है, लेकिन इस बार हालात चिंताजनक हैं। सेंटर में आंखों की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या में 50-60 फीसदी उछाल आया है। एम्स के आरपी सेंटर फॉर नेत्र रोगों के प्रोफेसर डॉ. राजेश सिन्हा ने भी इसे खतरे की घंटी बताई। उन्होंने बताया कि पिछले 72 घंटों में हमारे पास आंखों में सूखापन, चुभन और पानी आने के केस 50 फीसदी बढ़े हैं। हवा के छोटे कण आंखों की सुरक्षात्मक परत को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे सूजन हो

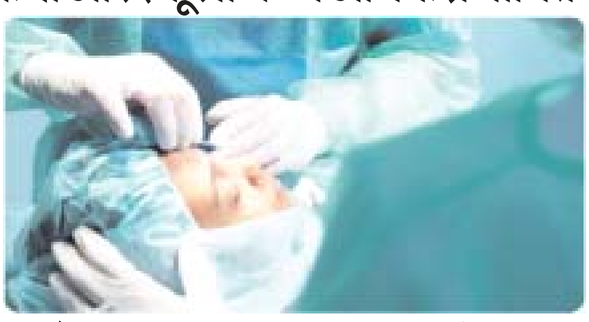

जाती है। अगर ये लंबे समय तक चला तो संक्रमण, कॉर्निया की क्षति या अस्थायी धुंधली दृष्टि जैसी जटिलताएं हो सकती हैं।

ट्रैफिक पुलिस से लेकर स्कूली बच्चे तक ज्यादा प्रभावित: प्रदूषण का सबसे बुरा असर उन पर पड़ रहा है, जो घंटों बाहर रहते हैं। ट्रैफिक पुलिसकर्मी, डिलीवरी बॉय, निर्माण मजदूर और स्ट्रीट वेंडर जैसे लोग लगातार जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। स्कूलों में छुट्टियां होने के बावजूद, पार्कों या खेलने जाते बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, बुजुर्गों में आंसू ग्रंथियां कमजोर होती हैं, जिससे सूखापन और जलन दोगुनी हो जाती है। डॉ. लाल ने बताया कि कॉन्टैक्ट लेंस वाले और मेकअप करने वाले विशेष रूप से जोखिम में हैं।

आंखों की सुरक्षा जरूरी: डॉ. सिन्हा ने बताया कि आंखों की सुरक्षा फेफड़ों जितनी ही जरूरी है। चश्मा पहनना और ड्रॉप इस्तेमाल करना जैसे छोटे कदम आंखों को बचा सकते हैं। अगर लालिमा, दर्द या धुंधली नजर बनी रहे, तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें,खुद दवा न लें। जेटब्लू ने इस घटना पर बयान जारी कर कहा कि विमान को सेवा से हटा दिया गया है और गिरावट के कारणों की पूरी जांच की जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पाँचथर में तामोर कॉरिडोर सड़क भी लगातार वर्षा के कारण पूरी तरह अवरुद्ध हो गई है। गृह मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक ओखलढुंगा जिले में सिद्धिचरण राजमार्ग बंद पड़ा है। बागमती प्रदेश में काभ्रे स्थित बीपी राजमार्ग, रसुवा में पासाङ ल्हामु राजमार्ग और नेपाल-अवरुद्ध हो गए हैं।

क्राइम ब्रांच ने फोड़ा देशभर में फैला साइबर फ्रॉड नेटवर्क, पांच आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने देशभर में सक्रिय साइबर ठगों के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संबंध में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह दुबई में बैठे एक भारतीय मास्टरमाइंड के इशारे पर काम कर रहा था। आरोपितों में एक बैंक का रिलेशनशिप मैनेजर है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शुक्रवार को बताया कि आरोपितों की पहचान हिसार निवासी मंजीत सिंह (28), सोनीपत निवासी मंशवी (23), उत्तम नगर निवासी मनीष मेहरा (33), भिवानी निवासी सोंबीर (43), और बिजवासन निवासी अनूप (35) के रूप में हुई है। पकड़ा गया अनूप बैंक में कार्यरत था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपित फर्जी कंपनियां बनाकर उनके नाम पर बैंक में चालू खाता खुलवाते थे। इन खातों के जरिये ठगे गए पैसों को इधर-उधर घुमाकर अंत में क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया जाता था ताकि पैसों के स्रोत को छिपाया जा सके। हर आरोपित को एक फर्जी खाते पर 1.5 लाख कमीशन मिलता था। पुलिसउपायुक्त ने आगे बताया कि साइबर सेल की जांच में खुलासा हुआ कि इस पूरे नेटवर्क को दो लोग दुबई से संचालित कर रहे थे। गिरोह के सदस्य नोएडा और गुरुग्राम से काम करते थे। तकनीकी निगरानी और डिजिटल ट्रेसिंग के बाद पुलिस ने 27 अक्टूबर को गुरुग्राम स्थित ठिकाने पर छापा मारकर तीन आरोपितों को दबोचा। पूछताछ के बाद मनीष और बैंक में कार्यरत अनूप को दबोचा गया। पुलिस ने आरोपितों के पास से 18 मोबाइल फोन, 36 सिम कार्ड, एक लैपटॉप, कई चेकबुक और बैंक डेबिट/क्रेडिट कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिसउपायुक्त ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल से जांच में सामने आया कि बरामद खातों और चेकबुक का लिंक तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, उप्र, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, केरल और हरियाणा में दर्ज 52 साइबर फ्रॉड मामलों से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, गिरोह से जुड़े कुछ और सदस्य अब भी फरार हैं।

जिनकी तलाश जारी है। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि कैंकून से न्यूअर्क जा रहा जेटब्लू का एयरबस ए320 विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजे टैम्पा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। अमेरिकी विमानन नियामक संस्था एफएए ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक यह साफ नहीं है कि इस घटना में कुल कितने लोग घायल हुए और उनकी चोट कितनी गंभीर है। हालांकि, हवाई यातायात से जुड़े ऑडियो में पायलट को कहते सुना गया, कम से कम तीन यात्री घायल हैं, एक के सिर पर चोट आई है। हवाई अड्डे पर ही चिकित्सा अधिकारियों ने यात्रियों और चालक दल का चिकित्सीय परीक्षण किया गया और कुछ लोगों को आगे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बलोचिस्तान के 12 जिले सूखाग्रस्त, प्रांतीय सरकार को एहतियाती कदम उठाने की सलाह

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने बलोचिस्तान प्रांत के 12 जिलों को सूखे की निगरानी में रखा है। पीएमडी ने प्रांतीय सरकार को सूखाग्रस्त जिलों में एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है। विभाग का आकलन है कि पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान में सूखे की स्थिति और बिगड़ सकती है। चगाई, ग्वादर, केच, खारन, मस्तुंग, नुश्की, पिशिन, पंजगुर, किला अब्दुल्ला, क्वेटा और वाशुक जिलों में सूखे का सबसे अधिक प्रभाव है। इसलिए इन जिलों को सूखा निगरानी में रखा गया है। डान अखबार की बलोचिस्तान के सूखे पर केंद्रीय रिपोर्ट के अनुसार, पीएमडी मानता है कि बलोचिस्तान की जलवायु शुष्क से लेकर अर्ध-शुष्क है। इसकी विशेषता अत्यधिक परिवर्तनशील वर्षा, अत्यधिक तापमान में उतार-चढ़ाव

और लंबे समय तक सूखा रहना है। प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से मुख्यतः शुष्क हैं, जहां ग्रीष्मकालीन मानसून का प्रभाव बहुत कम होता है। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान के अधिकांश जिले सर्दियों की वर्षा पर निर्भर हैं, जहां वार्षिक वर्षा 71 से 231 मिलीमीटर के बीच होती है।

इस साल इन क्षेत्रों में मई से अक्टूबर की अवधि के दौरान सामान्य से कम वर्षा (-79 प्रतिशत) दर्ज की गई है। इसके अलावा, लगातार शुष्क अवधि बढ़ी है। यह पूरे क्षेत्र में लंबे समय तक सूखे की स्थिति का संकेत देती है। वर्षा की यह महत्वपूर्ण कमी सूखे की स्थिति पैदा कर सकती है। इन क्षेत्रों में वर्षा में कमी और लगातार शुष्क दिनों का सारांश पीएमडी रिपोर्ट में दिया गया है। जलवायु चक्र और नवंबर से जनवरी 2026 तक के मौसमी पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा और सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है।

जेन जी विद्रोह के बाद एक हजार से अधिक पुलिस वालों ने नौकरी से दिया इस्तीफा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जेन जी विद्रोह के बाद पुलिस के अधिकारियों और जवानों के सुरक्षा बल से इस्तीफा देने वालों की संख्या में अचानक ही बढ़ोतरी देखी गई है। नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) से पिछले दो महीनों के भीतर लगभग एक हजार सुरक्षाकर्मियों ने इस्तीफा दे दिया है। नेपाल पुलिस के करीब 450 और एपीएफ के लगभग 550 अधिकारियों और जवानों ने इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वालों में कुछ ने 20 वर्षों की सेवा पूरी की है तो कुछ ने मात्र 5 वर्षों तक ही सेवा की थी। सुरक्षा निकाय के अधिकारियों का कहना है कि जेनङ्जी प्रदर्शन के बाद इस्तीफा देने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। 8 सितंबर को किए गए जेन जी प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा गोली चलाए जाने से 22 युवा/विद्यार्थियों की

मौत हो गई थी, जिसके अगले दिन देशभर में हिंसात्मक प्रदर्शन फैल गया। इस दौरान सुरक्षा निकाय के कार्यालय और बैरक प्रदर्शनकारियों के निशाने पर थे।

उसी दिन नेपाल पुलिस के 1,200 से अधिक हथियार लूट लिए गए थे और करीब 1 लाख राउंड गोलियों का रिकॉर्ड नहीं मिला है। 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों की पिटाई से 3 पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी। काठमांडू के बानेश्वर वृत्त में तैनात एक पुलिसकर्मी को प्रदर्शनकारियों ने वर्दी उतरवा कर दौड़ाया था। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी विनोद घिमिरे के अनुसार, घरेलू और व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए रोजाना पुलिसकर्मियों द्वारा इस्तीफे आ रहे हैं। इस्तीफा देने वालों में ज्यादातर निचले स्तर के कर्मचारी शामिल हैं। घिमिरे ने बताया कि जेन-जी आंदोलन के बाद की स्थिति ने भी सुरक्षाकर्मियों का मनोबल गिराया है ।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता, दोनों देशों में 10 साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सूचनाएं साझा करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने में हम अपने समन्वय को बेहतर कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह बोले- दोनों देशों के संबधों में रक्षा क्षेत्र अहम स्तंभ : भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समझौते को लेकर कहा कि मुझे लगता है

कि आज रक्ष ढांचा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये समझौता भारत और अमेरिका के बीच की रक्षा साझेदारी की नीतियों को तय करने में मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में रक्षा क्षेत्र एक अहम स्तंभ है। एक मुक्त, नियम आधारित हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के लिए हमारी साझेदारी बेहद अहम है। यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग के मजबूत होने का संकेत है।

टैरिफ के कारण रद्द हुई थी पिछली मुलाकात : राजनाथ ने इससे पहले अगस्त में वाशिंगटन में हेगसेथ से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50त्न कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंध दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जिसके बाद राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी गई थी।

संबंध सुधार की कवायद

पिछले हफ्ते अमेरिका ने रूस की दो शीर्ष कच्चे तेल निर्यातक कंपनियों पर प्रतिबंधों के एलान किया। जिसके बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल आयात में कटौती की है, जिसके बाद दोनों देश अब संबंधों के पुनर्निर्माण की संभावना देख रहे हैं। पिछले दिनों दक्षिण कोरिया दौरे के दौरान ट्रंप ने भी कहा कि वह भारत के साथ एक व्यापार समझौता करना चाहते हैं। हाल के वर्षों में अमेरिका और भारत के बीच अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन टैरिफ विवाद और रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर दोनों देशों के संबंधों में थोड़ी गिरावट आई। भारत ने इसे लेकर कहा कि उसे गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी अपने हितों के अनुसार मॉस्को के साथ व्यापार जारी रखे हुए हैं।

विदेश मंत्रियों की भी हुई थी मुलाकात

इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने भी कुआलालंपुर में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ मुलाकात की थी। उस मुलाकात में भी दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर करने पर चर्चा हुई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी अपने एक बयान में कहा था ।

ट्राई ने ड्राफ्ट प्रस्तावों पर सुझाव देने की तारीख 7 नवंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने लोगों और उद्योग संगठनों को अपने दो ड्राफ्ट प्रस्तावों पर राय देने के लिए अब 7 नवंबर तक का समय दिया है। पहले सुझाव भेजने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर थी। संचार मंत्रालय के अनुसार, ट्राई ने 16 अक्टूबर को 'टेलीकम्युनिकेशन टैरिफ (बहत्तरवां संशोधन) आदेश, 2025' और 'द रिपोर्टिंग सिस्टम ऑन अकाउंटिंग सेपरेशन (संशोधन) विनियम, 2025' जारी किए थे। हितधारकों और उद्योग संगठनों ने इन पर राय देने के लिए अधिक समय मांगा था, जिसके बाद यह समयसीमा बढ़ाई गई है।

दिल्ली में गैंगवार : 15 से ज्यादा गोलियां मारकर हाशिम बाबा गैंग के मिस्बाह की सरेआम हत्या, सीलमपुर में खूनखराबा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में गुरुवार रात को हुई गैंगवार ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। अज्ञात बदमाशों ने मिस्बाह नामक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मिस्बाह को करीब 15 से ज्यादा गोलियां मारी गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने गोलीबारी की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने करीब 20 खाली खोखे बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में यह मामला गैंगवार से जुड़ा बताया जा रहा है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक मिस्बाह हाशिम बाबा गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हमले के पीछे कौन-सी विरोधी गैंग शामिल थी। लहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित और कुख्यात ऑटो-लिफ्टर इकरार (42) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने शुक्रवार को बताया कि आरोपित इकरार, मूल रूप से हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ गांव का निवासी है और पिछले कुछ समय से सीलमपुर, दिल्ली में छिपकर रह रहा था। वह उप्र और दिल्ली में कई गंभीर वारदात हत्या के प्रयास, गौकशी और आर्म्स एक्ट में शामिल रहा है।

पूर्वी जिले में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर एएटीएस की टीम गठित की गई थी, जिसका नेतृत्व एसीपी ऑपरेशन संजय कुमार और इंस्पेक्टर पवन यादव कर रहे थे। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर पता चला कि वांछित अपराधी इकरार दिल्ली के पूर्वी इलाके में सक्रिय है और वह अपने साथी फारुख से मिलने न्यू अशोक नगर आने वाला था। पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया और मुखबिर की निशानदेही पर इकरार को एक चोरी की मोटरसाइकिल पर पकड़ लिया, जो थाना शकरपुर से चोरी की गई थी। सख्त पूछताछ में आरोपित ने अपने अपराध स्वीकार किया और अपने ठिकानों से तीन और चोरी की बाइकें बरामद कराई। इकरार के खिलाफ पहले से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह चोरी के बाद वाहनों को दिल्ली-एनसीआर के स्थानीय रिसीवर को बेच देता था और लगातार ठिकाने बदलता रहता था ताकि गिरफ्तारी से बच सके।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर निशाना, बोलीं– दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी शीश महल तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद और सोशल एक्टिविस्ट स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने केजरीवाल पर सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और विलासिता भरे जीवन का आरोप लगाया। स्वाति मालीवाल ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा, दिल्ली का शीश महल खाली होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने अब पंजाब में दिल्ली से भी शानदार शीश महल तैयार करवा लिया है। उन्होंने दावा किया कि चंडीगढ़ के सेक्टर-2 में मुख्यमंत्री कोटे की 2 एकड़ की आलीशान 7 स्टार सरकारी कोठी अब अरविंद केजरीवाल को मिल चुकी है।

मालीवाल ने आगे कहा कि केजरीवाल अब सरकारी हेलीकॉप्टर और प्राइवेट जेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, वे अंबाला के लिए घर के सामने से सरकारी हेलीकॉप्टर में बैठे, फिर अंबाला से पंजाब सरकार का प्राइवेट जेट उन्हें पार्टी के काम से गुजरात ले गया। उन्होंने कहा कि पूरी पंजाब सरकार एक आदमी की सेवा में लगी है। मालीवाल के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर जमकर प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई यूजर्स ने उनके बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी अब आम लोगों से दूर हो चुकी है। वहीं, कुछ लोगों ने इसे राजनीतिक हमला बताते हुए कहा कि केजरीवाल विरोध के नाम पर पार्टी की साख को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली में शीश महल विवाद उस समय चर्चा में आया था जब अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास के रेनोवेशन पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाने का मामला सामने आया था। उस समय विपक्ष ने इसे लेकर केजरीवाल सरकार पर तीखा प्रहार किया था। अब पंजाब में इसी तरह की सुविधाओं के उपयोग को लेकर फिर से यह मुद्दा गर्म हो गया है। हालांकि, अब तक पंजाब सरकार या आम आदमी पार्टी की ओर से स्वाति मालीवाल के आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

वाना में नकली देसी घी बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। ईस्टर्न रेंज-द्ब की टीम ने बावाना इंडस्ट्रियल एरिया में छापा मारकर नकली देसी घी बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर करीब 3700 लीटर मिलावटी घी, बड़ी मात्रा में कच्चा माल, मशीनें और फर्जी पैकिंग सामग्री बरामद की हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने शुक्रवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम ने 29 अक्टूबर को गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए बावाना इंडस्ट्रियल एरिया में छापमारी कर सतेंद्र (44) और पर्वीन (29) को दबोचा। जांच में खुलासा हुआ कि फैक्ट्री में रिफाइंड ऑयल और अन्य गैर-दुग्ध पदार्थो को मिलाकर नकली देसी घी तैयार किया जाता था।

पीएम आवास योजना के लिए जागरूकता अभियान, नगर निगम ने क्विज प्रतियोगिता से बढ़ाई जानकारी

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत अंगीकार अभियान के अंतर्गत जागरूकता बढ़ाने के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसका उद्देश्य योजना का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना और नागरिकों को सरकार की इस महत्वाकांक्षी आवास योजना की जानकारी सुलभ कराना है। नगर निगम सभागार में आयोजित यह प्रतियोगिता आयुक्त सविता प्रधान के निर्देश और सहायक आयुक्त व पीएमएवाई की नोडल अधिकारी ज्योति सिंह के नेतृत्व में हुई। इसमें हितग्राहियों और स्कूली छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को योजना के विभिन्न घटकों, लाभ प्रक्रिया, आईएसएस (आईएसएस) और सूर्या घर योजना के महत्व से अवगत कराया गया।

नोडल अधिकारी ज्योति सिंह ने योजना के उद्देश्य, पात्रता मानदंड, सब्सिडी प्रक्रिया और पर्यावरणीय दायित्वों पर विस्तार से चर्चा कर नागरिकों को जागरूक किया। इसके अतिरिक्त, शहर में निर्मित नवीन आवास परिसरों में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की भूमिका को जोड़ा जा सके।

क्विज प्रतियोगिता में समर सिंह ने प्रथम, दिव्या पांडेय ने द्वितीय और सरयू तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चंद्रबली यादव, स्नेहा जायसवाल, राखी रजक, अर्पित प्रजापति, अर्पित शाह, अवनीश चौबे, नीलम उपाध्याय, उन्नति दुबे, अमृता द्विवेदी, रोहित द्विवेदी और अनामिका को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

कार्यपालन यंत्री संतोष पांडेय और उपायुक्त आर.पी. बैस ने विजेताओं को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आईईसी मैनेजर आशीष शुक्ला, विकास श्रीवास्तव, सुशील कुमार, रोहित द्विवेदी और आईईसी टीम के सदस्य प्रभाकर श्रीवास्तव, राजीव पांडेय, मिथलेश धर द्विवेदी, जितेंद्र शाह, पारुल सिंह तथा दीपक सिंह उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम ने न केवल योजना के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में मदद की, बल्कि युवाओं में सरकारी योजनाओं के प्रति नई ऊर्जा और जागरूकता भी पैदा की।

लगातार बारिश, कई घरों में घुसा पानी; मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में गुरुवार रात से जारी भारी बारिश ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। शहर के साथ पनवार, डैनीहा और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार सुबह तक जलभराव की स्थिति बन गई। लगातार बारिश से ठंड बढ़ गई है, वहीं किसानों की परेशानी भी बढ़ गई है।

खेतों में पानी भरने से रुकी खेती की गतिविधियां: लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों के खेतों में पानी भर गया है। किसानों का कहना है कि खेतों में ट्रैक्टर ले जाना अब मुश्किल हो गया है। धान की फसलें पानी में डूबने और गिरने लगी हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। कटाई और बुवाई दोनों ही प्रभावित हो गई हैं।

कई घरों में घुसा पानी, लोगों को परेशानी: पनवार और डैनीहा क्षेत्र में जलभराव इतना बढ़ गया कि कई घरों में पानी घुस गया। ग्रामीणों को रातभर पानी निकालने में मशक्कत करनी पड़ी। लोगों का कहना है कि इस मौसम में ऐसी बारिश बहुत कम देखने को मिलती है। प्रशासन की टीमें जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं, लेकिन लगातार बारिश से राहत कार्यों में दिक्कतें आ रही हैं।

मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट: मौसम विभाग ने सीधी जिले और आसपास के इलाकों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, शुक्रवार तक भारी बारिश जारी रह सकती है और अगले 24 घंटों में कुछ क्षेत्रों में तेज बौछारें पड़ने की संभावना है।

शनिवार से मौसम में सुधार की उम्मीद: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, शनिवार से मौसम में सुधार शुरू हो सकता है। बादल छंटने के साथ धूप निकलने की संभावना है। रविवार से तापमान में हल्की गिरावट आएगी और ठंडक का एहसास बढ़ जाएगा। सोमवार तक मौसम सामान्य होने की उम्मीद है।

रन फॉर यूनिटी सरदार पटेल जयंती पर एकता, अखंडता का संदेश; जनप्रतिनिधि नागरिक हुए शामिल

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। यह दौड़ देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उनके योगदान को स्मरण करने और राष्ट्र में एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। जिले के रामपुर नैकिन, चुरहट, सेमरिया, कोतवाली, जमोड़ी और कुसमी सहित सभी थानों तथा प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर पैदल मार्च किया और दौड़ लगाई, साथ ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साझा पहचान बताया।

मानस भवन में मुख्य आयोजन: मानस भवन में मुख्य कार्यक्रम हुआ, जिसका शुभारंभ सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, राज्य मंत्री राधा सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में युवा, पुलिसकर्मी, स्कूली छात्र-छात्राएं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल हुए। राज्य मंत्री राधा सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत की नींव मजबूत की थी। उन्होंने सभी से उसी एकता की भावना के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। सांसद डॉ. मिश्रा ने युवाओं से राष्ट्र की एकता और समरसता के लिए सदैव सक्रिय रहने का आग्रह किया।

इस रन फॉर यूनिटी के माध्यम से पूरे जिले में देशभक्ति का जोश देखा गया। जगह-जगह जय जवान, जय किसान और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को एकता की शपथ दिलाई गई। सरदार पटेल के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

सरदा गांव में दो बाइक जलीं, ग्रामीणों की बुझाने की कोशिश नाकाम

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के सरदा गांव में शुक्रवार दोपहर दो बाइक्स में आग लग गई। इस घटना में गांव निवासी भूपेंद्र लोनिया के घर के बाहर खड़ी दोनों बाइकें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने अज्ञात कारणों से आग लगने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भूपेंद्र लोनिया ने बताया कि वे अपने घर के बाहर बाइक खड़ी कर रोजमर्रा के काम कर रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो दोनों बाइकें धू-धू कर जल रही थीं। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुके थे।

घटना की सूचना पड़ोसी द्वारा तत्काल पुलिस को दी गई। भूपेंद्र लोनिया ने पिपराव पुलिस चौकी प्रभारी शेषमणि मिश्रा को मामले की जानकारी दी। चौकी प्रभारी शेषमणि मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आग अज्ञात लोगों द्वारा लगाई गई थी या किसी अन्य कारण से लगी। फिलहाल, पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

भालू के हमले में महिला की मौत, वन विभाग ने पटाखे फोड़कर भगाया

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। केशवाही वन परिक्षेत्र में भालू के हमले में एक महिला की मौत हो गई। घटना गुरुवार देर शाम 8 बजे की है। दरअसल, भालू महिला को मवेशी चराते समय जंगल में खींच ले गया और उसे मार डाला। घटना महिला के पति और परिजनों के सामने हुई। शाम 8 बजे की

महिला को जंगल में खींचकर ले गया भालू: जानकारी के अनुसार, मझटोलिया गांव की गुड्डी यादव (42) पत्नी सीताराम यादव, अपने पति और अन्य परिजनों के साथ मवेशी चरा रही थीं। तभी अचानक एक भालू ने उन पर हमला कर दिया और गुड्डी यादव को खींचकर जंगल में ले गया।

शव के पास करीब दो घंटे तक घूमता रहा भालू: महिला के पति और परिजनों ने भालू का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन भालू आक्रामक था और उन पर भी हमला करने लगा। मजबूरन, परिजन दूर खड़े होकर यह सब देखते रहे और उन्होंने तत्काल वन विभाग को घटना की सूचना दी। भालू महिला के शव के पास करीब दो घंटे तक घूमता रहा।

वन विभाग ने पटाखे फोड़कर भालू को भगाया: सूचना मिलने पर केशवाही वन परिक्षेत्र अधिकारी अंकुर तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मशालें जलाकर और पटाखे फोड़कर भालू को भगाया। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग दो घंटे का समय लगा।

परिजनों को मिलेगी 8 लाख की मुआवजा राशि: जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वन विभाग ने परिजनों को तत्काल 10 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की है और 8 लाख रुपए की मुआवजा राशि जल्द ही उनके खाते में जमा की जाएगी। रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि इस क्षेत्र में भालुओं की आवाजाही लगातार बनी रहती है। विभाग ने हाल ही में ग्रामीणों के साथ बैठकें कर उन्हें भालुओं से बचाव के प्रति जागरूक किया था। घटना के बाद वन विभाग की एक टीम मौके पर तैनात की गई है।

प्रदेश स्थापना दिवस 1 को मानस भवन होगा समारोह

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर को पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने जानकारी दी कि जिला स्तरीय मुख्य समारोह अब मानस भवन, सीधी में प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। पूर्व निर्धारित स्थल शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1, सीधी था, किंतु बारिश के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल में परिवर्तन किया गया है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रहेगी। समारोह स्थल पर जिले की उपलब्धियो प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही, देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँगी।

पेंगोलिन शिकार मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार, जीवित कछुआ भी बरामद

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में वन विभाग की स्पेशल टीम ने पेंगोलिन के शिकार के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां विभिन्न जिलों से की गई हैं। आरोपियों के पास से 1.643 किलोग्राम पेंगोलिन की खाल (स्केल्स) बरामद हुई है।

मुखबिर की सूचना पर विभाग ने की कार्रवाई: यह कार्रवाई एक मुखबिर की सूचना पर दक्षिण वन मंडल के जैतपुर वन क्षेत्र में हुई। देवरी बीट में सोन नदी पुलिया के पास अवैध तस्करी का पर्दाफाश किया गया। डीएफओ श्रद्धा पेंद्रो ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में धनपुरी निवासी ईस्ताक मोहम्मद और दीपक द्विवेदी शामिल हैं। अन्य आरोपियों की पहचान शंकर उर्फ गोलू दहायत, सुशीत कुमार अधिकारी, लक्ष्यपत सिंह गोंड, अर्जुन सिंह, मार्को चैन सिंह, गेंद सिंह और बीरन सिंह परस्ते के रूप में हुई है।

एक आरोपी के पास से जीवित कछुआ बरामद: बीरन सिंह परस्ते के पास से एक जीवित कछुआ भी बरामद किया गया है। पेंगोलिन की खाल के साथ-साथ, वन्यजीवों का शिकार करने में इस्तेमाल किए गए उपकरण भी बरामद किए गए हैं। सभी गिरफ्तारियां वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत की गई हैं। इस अधिनियम के तहत वन्यजीवों के शिकार और तस्करी पर सख्त प्रतिबंध है।

अधिकारी बोले-मामले की हो रही जांच: वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पेंगोलिन का शिकार किस स्थान पर किया गया था इसे कहां बेचने में थे, इसकी जांच जारी है।

छात्रावास में खाना खाने से 14 छात्राएं बीमार अस्पताल में भर्ती, जांच टीम गठित

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के ब्यौहारी ब्लॉक स्थित खड़हूली शासकीय मॉडल स्कूल के छात्रावास में खाना खाने के बाद 14 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। सभी छात्राओं को तत्काल ब्यौहारी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार देर रात हुई, जब 100 सीटों वाले छात्रावास की छात्राओं ने रात का भोजन किया। भोजन के बाद उन्हें खुजली, उल्टी और दस्त जैसी शिकायतें होने लगीं। छात्रावास प्रबंधन ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि सभी छात्राओं की स्थिति सामान्य है। विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है। मेडिकल टीम को छात्रावास भेजा गया है, जो अन्य बच्चों की स्क्रीनिंग करेगी। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल इलाज भी प्रदान करेगी।

ब्यौहारी के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (वीएमओ) डॉ. डी.के. पाराशर ने बताया कि सभी बच्चियों के रक्त के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। प्रारंभिक जांच में एलर्जी की आशंका जताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार छात्राओं की स्थिति पर नजर रख रही है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन ने छात्रावास में भोजन और स्वच्छता व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। वहीं, परिजन अपनी बच्चियों की सेहत को लेकर अस्पताल में मौजूद हैं। बीएमओ ने कहा कि रक्त रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

विधानसभा क्षेत्र धौहनी में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण 1 एवं 3 नवम्बर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपखण्ड अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 82 धौहनी (अजजा) ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु कार्यक्रम घोषित किया गया है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 रखी गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण करने एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को पाबंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण का आयोजन 1 नवम्बर 2025 को शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में तथा 3 नवम्बर 2025 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महुआ गांव में किया जाएगा। 1 नवम्बर को प्रथम पाली में सुबह 11 बजे से मतदान केन्द्र क्रमांक 01 से 110 तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1 बजे से मतदान केन्द्र क्रमांक 111 से 220 तक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 3 नवम्बर को प्रथम पाली में सुबह 11 बजे से मतदान केन्द्र क्रमांक 221 से 298 तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु विभिन्न अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनरों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। 1 नवम्बर को प्रथम पाली (मतदान केन्द्र 01 से 55) के लिए तहसीलदार मड़वास राजेश पारस को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी पाली में अमरदीप सिंह, दिलीप कुमार गुप्ता एवं विनय कुमार पाण्डेय को मास्टर ट्रेनर बनाया गया है। प्रथम पाली (मतदान केन्द्र 56 से 110) के लिए नायब तहसीलदार धन कुमार टोप्पो सहायक नोडल अधिकारी तथा के.एल. विश्वकर्मा, संतोष कुमार तिवारी और संजय कुमार साकेत मास्टर ट्रेनर रहेंगे। द्वितीय पाली (मतदान केन्द्र 111 से 165) के लिए तहसीलदार नारायण सिंह सहायक नोडल अधिकारी तथा राजेश कुमार पाण्डेय, रण विजय सिंह और संजय कुमार साकेत मास्टर ट्रेनर रहेंगे। द्वितीय पाली (मतदान केन्द्र 166 से 220) के लिए नायब तहसीलदार अमित कुमार दुबे सहायक नोडल अधिकारी तथा पी.एल. टाडिया, राज कुमार सिंह और कौशल किशोर प्रजापति मास्टर ट्रेनर रहेंगे।

रन फॉर यूनिटी में दिखा एकता, संकल्प और राष्ट्रभाव का अद्भुत संगम

सरदार पटेल की एकता की विरासत ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है: सांसद

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शुक्रवार 31 अक्टूबर को सीधी जिले में रन फॉर यूनिटी दौड़ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई तथा हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारंभ हुई यह एकता दौड़ जिलेभर में राष्ट्र एकता का सशक्त संदेश लेकर दौड़ी। कार्यक्रम में 350 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस आयोजन का संचालन पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, एडीएम बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, एसडीएम राकेश शुक्ला, नगर पालिका सीएमओ मिनी अग्रवाल, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी, गणमान्य नागरिक, स्कूली छात्र-छात्राएँ तथा पुलिस बल बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस दूरदर्शिता, दृढ़ता और राष्ट्रनिष्ठा के साथ देश के बिखरे रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत की अखंडता को मजबूत किया, वह हमारे इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने हमें सिखाया कि कोई भी कार्य असंभव नहीं, यदि संकल्प और एकता अडिग हो। सांसद ने कहा कि आज की यह 'रन फॉर यूनिटी' केवल एक खेलकूद आयोजन नहीं, बल्कि यह उस राष्ट्रभावना का प्रतीक है जिसने भारत को एकता के सूत्र में बाँधा है।

सीधी जैसे अंचल में युवाओं का यह उत्साह इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी देश की अखंडता, समरसता और विकास की दिशा में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। सरदार पटेल के आदर्श हमें प्रेरित करते हैं कि हम सभी मिलकर भारत को एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाएं।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता का उत्सव है। सीधी जिले का उत्साह दर्शाता है कि हम सब मिलकर एक भारत के मजबूत स्तंभ हैं। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कहा कि बारिश के बावजूद प्रतिभागियों का जोश और भागीदारी, सरदार पटेल जी के लौह-संकल्प की झलक प्रस्तुत करती है। यह दौड़ एकता, अनुशासन और समर्पण की भावना को सशक्त करती है।

बारिश में भी नहीं थमा जोश - पुलिस अधीक्षक सहित सभी ने लगाई दौड़: कार्यक्रम के दौरान लगातार वर्षा होती रही, किंतु मौसम की परवाह किए बिना सभी प्रतिभागियों ने उत्साह, जोश और देशभक्ति के साथ दौड़ में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी स्वयं प्रारंभ से अंत तक दौड़ में सम्मिलित रहे और अपने उदाहरण से युवाओं को प्रेरित किया।

दौड़ का मार्ग और राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत नारे: दौड़ का मार्ग पुलिस परेड ग्राउंड - पुलिस अधीक्षक कार्यालय - सम्राट चौक - अस्पताल तिराहा - कलेक्ट्रेट परिसर तक निर्धारित किया गया था। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत, वंदे मातरम, जय सरदार पटेल जैसे नारों से वातावरण को देशभक्ति से गुंजायमान कर दिया।

जिलेभर में गूंजा एकता का संदेश: राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिले के सभी थानों और चौकियों पर भी 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ का आयोजन किया गया। प्रत्येक स्थान पर नागरिकों, पुलिस अधिकारियों, स्कूली विद्यार्थियों और सामाजिक संस्थाओं ने सहभागिता कर एकता, अखंडता और देशभक्ति का संदेश दिया।

नाकामी की शर्मनाक कहानी, वायु प्रदूषण देश की बदनामी का कारण बन रहा

संपादकीय

यदि आम जनता वायु प्रदूषण को अपने जीवन के लिए आफत मानकर नेताओं को जवाबदेह बनाने के लिए सक्रिय नहीं होती तो शासन-प्रशासन के स्तर पर वैसी ही ढिलाई बरती जाती रहेगी, जैसी दशकों से बरती जा रही है। शर्मनाक यह है कि यह ढिलाई इसके बाद भी बरती जा रही है कि वायु प्रदूषण देश की बदनामी का भी कारण बन रहा है। मेडिकल जर्नल लैंसेट के इस निष्कर्ष पर हैरानी नहीं कि भारत में 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत अधिक हो चुकी थी और इसके चलते 17 लाख से अधिक लोग असमय काल के गाल में समा गए, जिससे भारी आर्थिक क्षति भी हुई।

यह संभव है कि सरकार प्रदूषण से हुई मौतों के इस आकलन से सहमत न हो, लेकिन इससे तो कोई भी इन्कार नहीं कर सकता कि देश में वायु प्रदूषण विकराल रूप लेता जा रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप ले लिया होगा, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं।

केंद्र और राज्य सरकारें वायु प्रदूषण की गंभीर होती समस्या का समाधान कर पाने में किस तरह विफल हैं, इसका पता दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने के असफल प्रयासों से चलता है। समझना कठिन है कि जब यह हर तरह से सिद्ध हो चुका है कि कृत्रिम बारिश वायु प्रदूषण से पार पाने का प्रभावी उपाय नहीं, तब फिर इसकी कोशिश ही क्यों की गई? कृत्रिम बारिश कराने के प्रयोग का इसलिए कोई मतलब नहीं था, क्योंकि यदि वह सफल भी हो जाता तो भी वायु प्रदूषण से स्थायी राहत नहीं मिलनी थी। एक लंबे समय से यह देखने को मिल रहा है कि वायु प्रदूषण से निपटने के जतन तब किए जाते हैं, जब वह सिर उठा लेता है। ऐसा यह जानते हुए भी किया जाता है कि प्रदूषण का निवारण रातोंरात नहीं किया जा सकता। इससे यही पता चलता है कि सरकारें और उनकी प्रदूषण रोधी एजेंसियां सर्दियों के आगमन के साथ जहरीली होती हवा को लेकर तनिक भी गंभीर नहीं और वे एक बड़े संकट के समाधान का दिखावा भर करती हैं। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप भी प्रदूषण से निपटने में सहायक नहीं बन पा रहा है।

कहो तो कह दूं : सारे सिंह राशि वाले सोच रहे हैं काश हमारी राशि मेष होती

चैतन्य भट्ट

अभी हाल ही में एक सर्वे आया है जो किसी ज्योतिषी ने किया है इस सर्वे ने अमीर लोगों की लिस्ट जारी करी है और इस लिस्ट के हिसाब से जिन लोगों की राशि मेष है वे सबसे ज्यादा अमीर है क्योंकि इस राशि के लोगों की इनकम सबसे ज्यादा बढ़ी है इसमें और भी राशियां शामिल हैं जिनकी इनकम में बढ़ोतरी हुई लेकिन एकमात्र एक राशि ऐसी है जिनकी इनकम घटी है और घटती जा रही है और वो राशि है सिंह सर्वे में बताया गया है कि मेष राशि वालों की इनकम में बाईस फीसदी की बढ़ोतरी हुई है दूसरी राशियों में किसी की दस प्रतिशत किसी की आठ फीसदी किसी की सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है लेकिन बेचारे सिंह राशि वालों की इनकम जीरो दशमलव छह परसेंट घट गई है जब से यह सर्वे सामने आया है सिंह राशि वाले भारी परेशान और हैं कि क्यों ऐसे वक्त में पैदा हुए जब उनकी राशि सिंह तय हुई । ऊपर वाले से उनकी एक ही गुजारिश थी कि हुजूर कम से कम ऐसे समय पर पैदा करते हैं जब राशि मेष या और कोई दूसरी होती वैसे कहा तो ये जाता है कि सिंह राशि वाले सिंह की तरह ही होते हैं लेकिन इनकम के मामले में वे चूहा साबित हो रहे हैं, अब तमाम सिंह राशि के जो जातक है वे यही सोच रहे हैं कि अगर सिंह राशि की बजाय उनकी राशि मेष होती तो कितना अच्छा होता बैठे बिठाये इनकम में बाईस फीसदी की बढ़ोतरी हो जाती लेकिन अब इन सिंह राशि वालों को कौन समझाए कि भैया ये सब अपने हाथ में नहीं है जो करम पिछले जन्म में किए होंगे उसी के आधार पर ऊपर वाले ने ऐसे वक्त पर नीचे भेजा होगा जब आपकी राशि सिंह तय होगी। अपने को तो इन तमाम सिंह राशि वालों को एक ही सलाह है कि कम से कम इस जन्म में ऐसे करम करो कि अगले जन्म में भगवान को भी सोचना पड़े कि इनको कौन सी राशि में भेजा जाए क्योंकि अगर अगले जन्म में भी सिंह राशि में पैदा हो गए तो वो जन्म भी खराब हो जाएगा जब से यह सर्वे सामने आया है मेष राशि के जातक छाती चौड़ी करके घूम रहे हैं जहां जहां पैसा लगाते हैं वो बाईस प्रतिशत बढ़ाकर वापस आ जाता है इसी को किस्मत कहते हैं और किस्मत ऊपर वाला ही बनाता है। लोग बाग़ जरूर कहते हैं कि इंसान अपनी किस्मत खुद बनाता है लेकिन देख लो कि सिंह राशि वाले कितनी ही मेहनत कर ले लेकिन उनकी इनकम में कमी ही आएगी ये तो सर्वे भी कह रहा है लेकिन अब पछताए होत क्या? जो होना था सो हो गया अब इस जिंदगी में तो सिंह राशि से मेष राशि में ट्रांसफर होना असंभव है इसलिए जहां कहीं भी पैसा लगाओ पहले यह मन बना लेना कि अपने को घाटा ही होने वाला है ऐसा सोच लोगे तो शायद रंज से बच जाओगे ।

आप तो चेन लगा दो पुराना लतीफा है। आपरेशन के बाद भी पेट दर्द से परेशान मरीज अस्पताल पहुंचा। डाक्टर ने पेट खोलकर देखा, कैंची अंदर छूट गई थी। निकाली और फिर टांके लगा दिए। कुछ दिन बाद मरीज फिर हाज़िर। दर्द बर करार था। पेट खोला गया, अंदर रुई का फाहा छूट गया था। निकाला और फिर टांके लगा दिए। हफ्ते दस दिन बाद मरीज फिर अस्पताल में। दर्द हो रहा है। पेट फिर खुला, अंदर सिरिंज मिली। वापस टांके लगाए ही जा रहे था कि मरीज ने गुहार लगाई। डाक्टर बार बार पेट खोलने से तो अच्छा है कि एक चैन ही लगा दो । संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर को पानी की सप्लाई करने वाली रमनगरा पाइपलाइन का हाल भी उस मरीज जैसा ही है। आपरेशन का दर्द खत्म होता नहीं कि पेट फिर खोलना पड़ता है। खुदाई होती है, थीगड़े लगते हैं, पुराई हो जाती है। व्यस्त सड़क पर यातायात बाधित होता है अनेकों टंकियां बिना भरी रही जाती हैं। प्यास से बेहाल जनता तकलीफ झेलती है। टैंकर से पानी सप्लाई का साइड बिजनेस गुलजार होता है। और कयास लगाए जाने लगते हैं कि इस बार का सुधार कार्य कितने दिन टिकेगा।

लतीफे पर फिर लौटते हैं। अव्वल तो सारी चिकित्सा बिरादरी से क्षमा। उनके व्यवसाय की प्रतिष्ठा धूमिल करने का ज़रा भी अभिप्राय नहीं है। समस्या के लिए इस लतीफे से ज्यादा उपयुक्त शायद ही कुछ और हो। फिर पानी की समस्या चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े लोग भी तो झेलते हैं। नगर निगम चाहे तो लतीफे के मरीज के, डाक्टर साहब चेन क्यों नहीं लगा देते, वाले सुझाव पर अमल कर सकती है। पाइपलाइन के शास्वत सुधार आकांक्षी हिस्से में सड़क के नीचे कांक्रीट डक्ट बना दे। जब जरूरत हो डक्ट के अंदर जाकर सुधार कर दिया जाए।

राष्ट्रीय एकता का अर्थ है किसी देश के नागरिकों के बीच एकजुटता और भाईचारे की भावना, जो उन्हें सांस्कृतिक, भाषाई या धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर एक राष्ट्र के रूप में जोड़ती है। इसमें संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और देश के लक्ष्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता शामिल है, जो देश को एक इकाई के रूप में बांधता है। राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्हें भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। इन्होंने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया। उनका मानना था कि हमारा कर्तव्य है कि हम भारत को एक और अखंड बनाए रखें।

विविधता में एकता ही सर्वश्रेष्ठ भारत की पहचान

राजकुमार सिन्हा

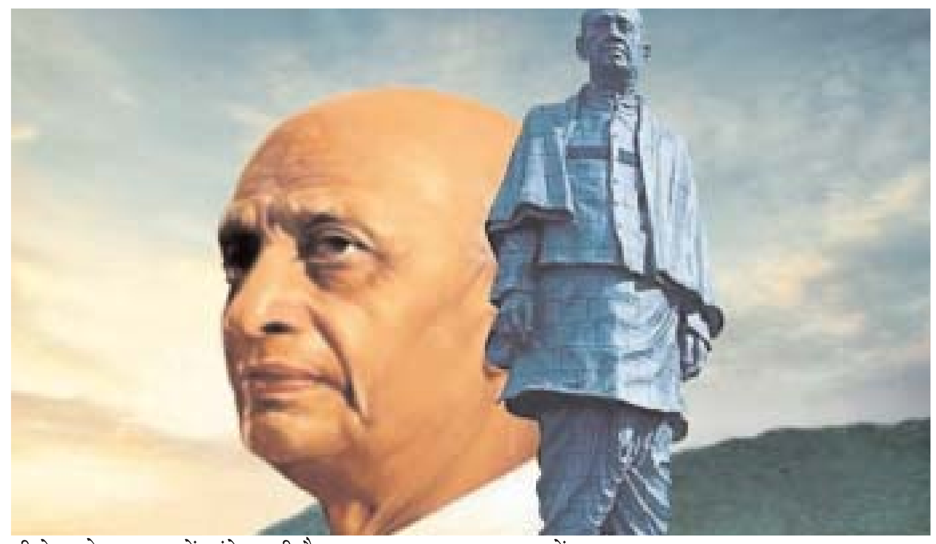

राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश के एकता, अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने तथा सुदृढ़ करने के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना और देश के विभिन्न राज्यों, भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के बीच एकता की भावना को मजबूत करना है। भारत की राष्ट्रीय एकता आज भी मजबूत है, लेकिन वर्तमान समय में इसके सामने कुछ गंभीर चुनौतियां हैं जो सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर दिखाई देती हैं। धर्म के आधार पर बढ़ती नफरत और हिंसा समाज में विभाजन पैदा कर रही है।

कुछ असमाजिक तत्व काफी सक्रिय हैं जो भारत की एकता के लिए आंतरिक खतरा हैं, क्योंकि वे लोगों के मन में भय, असुरक्षा और अविश्वास पैदा करते हैं। उन्हें राजनैतिक संरक्षण भी मिला हुआ है। राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति और नफरत फैलाने वाली भाषा से समाज में विभाजन की भावना तेजी से बढ़ रही है। जातिगत भेदभाव अब भी समाज में मौजूद है, जो सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है। अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण के बीच बढ़ती खाई लोगों में असंतोष और असुरक्षा की भावना पैदा करती है। इस कारण कुछ क्षेत्रों में अलगाववादी या चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही है जो राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ और नफरत फैलाने वाली झूठी खबरें समाज में गलतफहमी और अविश्वास पैदा कर रही है। लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र नागरिकों को समान अधिकार देता है,और राष्ट्रीय एकता उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता लोकतंत्र की मूल आत्मा है। जब सब मिलकर आगे बढ़ते हैं, तब ही सबका साथ, सबका विकास संभव होता है।

महात्मा गांधीजी ने कहा था कि भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है।

वे धार्मिक सहिष्णुता, अहिंसा और साम्प्रदायिक सौहार्द को राष्ट्रीय एकता की नींव मानते थे। उनका विश्वास था कि सभी धर्मों और जातियों के लोग मिलकर ही स्वतंत्र भारत का निर्माण कर सकते हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने एकता में विविधता की भावना पर जोर दिया। वे भारत को एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत को देखना चाहते थे, जहां सभी नागरिक समान हों। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कहा था कि सामाजिक समानता के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने संविधान में समान अधिकार और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित किया। सुभाष चन्द्र बोस ने कहा

था कि राष्ट्रीय एकता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। वे जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए एकता का आह्वान करते थे। स्वाधीनता संग्राम के नेताओं का मानना था कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में निहित एकता है। यही भावना आज भी देश को एक सूत्र में बांधे रखती है।

बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा भारत के इतिहास में एक अत्यंत प्रेरक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण आंदोलन था। यह यात्रा उनके राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण के गहरे संदेश को लेकर निकाली गई थी। 1980 के दशक में देश में बढ़ती धार्मिक और जातिगत हिंसा को देखकर उन्होंने यह यात्रा निकाली, ताकि लोगों में सौहार्द और मानवीय एकता की भावना जागे। बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि मनुष्य से मनुष्य के बीच प्रेम, समानता और सामाजिक एकजुटता स्थापित करना था, ताकि भारत सचमुच एकता में अनेकता का जीवंत उदाहरण बना रहे। बाबा आमटे के दूसरे चरण की भारत जोड़ो(1988 में पूरब के अरूणाचल प्रदेश से पश्चिम के ओखा गुजरात तक) यात्रा में मैं भी शामिल था। तब मुझे भारत की विविधता और स्थानीय लोगों के आतिथ्य और प्रेम का एहसास हुआ था। यात्रा का मुख्य नारा था कि जात - धर्म का बंधन तोडो, भारत जोड़ो, भारत जोड़ो।

संविधान की प्रस्तावना में भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया है। इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श दिए गए हैं जो राष्ट्रीय एकता का आधार हैं। संविधान की अनुच्छेद- 1 में भारत को राज्यों का संघ कहा गया है। यह देश की राजनीतिक एकता सुनिश्चित करता है। संविधान के मौलिक अधिकार के भाग(3) में अनुच्छेद 14 से 18 तक के अनुसार जाति, धर्म, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 19 से 22 तक सभी नागरिकों को समान स्वतंत्रता देता है। अनुच्छेद 25 से 28 तक धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अर्थात सभी धर्मों का समान सम्मान है। अनुच्छेद 51ए के अन्तर्गत नागरिकों का कर्तव्य है कि वे देश की एकता और अखंडता की रक्षा करें तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखें।

राजभाषा का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 343क्क351 में वर्णित है जिसमें हिंदी को राजभाषा और अंग्रेज़ी को सहायक भाषा के रूप में स्वीकार कर भाषाई एकता बनाए रखी गई है। संविधान के अनुच्छेद 352क्क360 में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रीय संकट के समय केंद्र सरकार को विशेष अधिकार देकर देश की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। ?अनुच्छेद - 355 के अन्तर्गत केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह राज्यों की सरकारों को बाहरी आक्रमण या आंतरिक अशांति से बचाए। संविधान न केवल अधिकार देता है बल्कि यह हर नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की एकता, अखंडता और बंधुता की भावना को सशक्त बनाए रखे। वर्तमान केन्द्र सरकार ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान

कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत की विविधता में एकता को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। इसमें विभिन्न राज्यों को जोड़ी राज्य के रूप में जोड़ा गया ताकि सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक आदान-प्रदान बढ़े।

आज भारत की राष्ट्रीय एकता को देश के अंदर से भी कुछ गंभीर खतरे हैं। ये खतरे बाहरी आक्रमण से अधिक आंतरिक सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक विभाजनों के कारण उत्पन्न हो रहे हैं। भारत की एकता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम सहिष्णुता, समानता, सामाजिक न्याय और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करें, ताकि हमारा देश विविधता में एकता का वास्तविक उदाहरण बना रहे। इसलिए इस राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाना और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना आवश्यक है। आर्थिक विषमताओं को कम करना सामाजिक तनाव को घटाता है और एकता को मजबूत करता है। राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय एकता बहुत ज़रूरी है, क्योंकि यह देश में स्थिरता, सामाजिक सद्भाव और प्रगति को बढ़ावा देती है।

अदभुत है पहाड़ पर मनाई जाने वाली बूढ़ी दीपावली!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

पर्वतीय लोगो की असली दीपावली इगास पर्व ही है,जिसे बूढ़ी दीपावली के रूप में मनाया जाता है, जो दीपोत्सव के ठीक ग्यारह दिन बाद मनाया जाता है। पर्वतीय उत्तराखंड व हिमाचल में रह रहे लोगो को छोड़कर शायद ही किसी ने इगास यानि बूढ़ी दीपावली के बारे में सुना होगा, पर्वतीय मूल के अब के बच्चों को भी बूढ़ी दीपावली के बारे में पता नहीं है कि बूढ़ी दीपावली नाम का कोई त्यौहार भी होता है। दीपोत्सव को इतनी देर से मनाने के दो कारण हैं पहला और मुख्य कारण भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस आने की खबर सूदूर पहाडी निवासीयों को ग्यारह दिन बाद मिली, और उन्होंने उस दिन को ही दीपोत्सव के रूप में हर्षोल्लास से मनाने का निश्चय किया, बाद में छोटी दीपावली से लेकर गोवर्धन पूजा तक सबको मनाया, लेकिन ग्यारह दिन बाद की उस दीवाली को मनाना नहीं छोडा, । पहाडों में दीपावली को लोग दीये जलाते हैं, गौ पूजन करते हैं, अपने ईष्ट और कुलदेवी कुलदेवता की पूजा करते हैं, नयी उडद की दाल के पकौड़े बनाते हैं और गहत की दाल के स्वांले (दाल से भरी पुडी) , दीपावली और इगास की शाम को सूर्यास्त होते ही औजी हर घर के द्वार पर ढोल दमाऊ के साथ बडई (एक तरह की ढोल विधा) बजाते हैं फिर लोग पूजा शुरू करते हैं, पूजा समाप्ति के बाद सब लोग ढोल दमाऊ के साथ कुलदेवी या देवता के मंदिर जाते हैं वहां पर मंडाण (पहाडी नृत्य) नाचते हैं, चीड़ की राल और बेल से बने भैला (एक तरह की मशाल) खेलते हैं, रात के बारह बजते ही सब घरों से इकट्ठा किया गया सतनाजा (सात अनाज) गांव की चारो दिशा की सीमाओं पर रखते हैं इस सीमा को दिशाबंधनी कहा जाता है इससे बाहर लोग अपना घर नही बनाते।

शहर जहां सौन्दर्य, संभावनाएं एवं संवेदनाएं बिछी हो

विश्व शहर दिवस हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि बढ़ाना, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने में देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और सतत विश्व नगर योजना को अधिक मानवीय, अपराधमुक्त एवं पर्यावरण संपोषक बनाना है। यह दिवस पहली बार 2014 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य शहरीकरण के रुझानों, चुनौतियों और सतत शहरी विकास के दृष्टिकोण के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और समतामूलक, समृद्ध, टिकाऊ और समावेशी शहरों के निर्माण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देना है जो अपने समुदायों को बेहतर रहने का वातावरण और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करते हैं।

ललित गर्ग

इस वर्ष विश्व शहर दिवस का वैश्विक आयोजन कोलंबिया के बोगोटा में 'जन-केंद्रित स्मार्ट सिटीज़' थीम पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यह प्रदर्शित किया जाएगा कि डेटा-आधारित निर्णय लेने, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शहरी जीवन को बेहतर बनाने और वर्तमान झटकों व संकटों से उबरने के लिए कैसे किया जा सकता है। इस अवसर पर जन-केंद्रित स्मार्ट सिटी पहलों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निश्चित ही शहर उस उम्मीद का माध्यम बने, जहां सौन्दर्य एवं संवेदनाएं अनेक रूपों में बिछी हो, जहां कुछ नया और कुछ पुराना, पर सब मनमोहक हो। इस वर्ष का विषय इस बढ़ती मान्यता को दर्शाता है कि डिजिटल तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति वैश्विक स्तर पर शहरी जीवन को नया रूप दे रही है और शहरों और मानव बस्तियों के डिज़ाइन, नियोजन, प्रबंधन और संचालन के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। अभिनव विकास, जनोन्मुखी स्मार्ट शहर का निर्माण केन्द्रित थीम शहरी और डिजिटल दोनों तरह के बदलावों से चिह्नित इस युग में, शहर निवासियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने और महत्वपूर्ण शहरी चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकी समाधानों और डेटा को तेज़ी से अपनाने पर बल देती हैं। सशक्त समुदाय, समृद्ध शहर को बल देते हुए यह दिवस समुदायों को जागरूक, सहयोगी और आत्मनिर्भर करने की पहल है ताकि शहर वास्तव में विकसित, संस्कृतिमय और समृद्ध बन सके। आज जब पूरी दुनिया तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, तब यह दिवस आत्ममंथन का अवसर बन गया है कि क्या हमारे शहर केवल कंक्रीट की इमारतों और चकाचौंध का विस्तार बन रहे हैं या उनमें मानवीय संवेदनाओं, संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समरसता का पोषण भी हो रहा है।

भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, विकसित भारत को विकसित करते हुए शहरीकरण का एक नया मॉडल प्रस्तुत हुआ है, जिसने शहरों के विकास को केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित न रखकर जीवन मूल्यों और नागरिक सहभागिता से जोड़ा है। अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वस्थ भारत मिशन, स्मार्ट शहर योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने शहरों के ढांचे में नई चेतना का संचार किया है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि जब सरकार की नीतियों में जनता की भागीदारी और पारदर्शिता जुड़ती है तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं, व्यवहार में भी दिखने लगता है। शहरीकरण का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़के और चमकदार बाजार नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें जीवन स्तर, विचार और व्यवहार की गुणवत्ता निहित होती है। शहरों ने मनुष्य को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा दी है, लेकिन इसी के साथ प्रदूषण, भीड़, तनाव, अपराध, असमानता और मानवीय रिश्तों की दूरी भी दी है। हर बड़ा शहर आज सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए स्वच्छ पानी और जीने के लिए शांति तरस रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का ह्रास हो रहा है और भौतिक प्रगति के साथ मानसिक थकान बढ़ रही है।

भारत के प्राचीन नगर जैसे काशी, उज्जैन, पुष्कर, मथुरा और अयोध्या केवल व्यापारिक या राजनीतिक केंद्र नहीं थे, वे संस्कृति, अध्यात्म और सह-अस्तित्व की जीवंत प्रयोगशालाएं थे। वहां नगर का अर्थ केवल रहने की जगह नहीं, जीने की कला था। आज के नगर यदि इन मूल्यों को फिर से अपनाएं तो वे केवल आधुनिक ही नहीं, मानवीय भी बन सकते हैं। पश्चिम के देशों में शहरीकरण तकनीकी दक्षता और सुविधाओं की दृष्टि से आगे है, पर वहां मानवीय ऊष्मा और आत्मीयता का अभाव है। भारत यदि अपने शहरीकरण में मानवता, पर्यावरण और संस्कृति का संगम बनाए रखे तो वह पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। शहर तब सचमुच जीवंत बनेंगे जब उनमें रहने वाले लोग पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और मानवीय दृष्टि से समर्पित होंगे। प्रदूषण को रोकना, हरियाली बढ़ाना, स्वच्छता को जीवनचर्या बनाना, झुग्गी बस्तियों को सम्मानजनक आवास देना, जनसहभागिता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना ही वास्तविक शहरीकरण का मार्ग है।

भारत के शहर आज तेजी से बदल रहे हैं। मेट्रो, ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों और चमकदार मॉलों ने इनका नया चेहरा गढ़ दिया है। यह परिवर्तन विकास की चमक दिखाता है, पर इसके भीतर एक गहरी पीड़ा भी छिपी है, कहीं न कहीं शहरों की आत्मा, उनकी पहचान, उनकी गर्माहट खोती जा रही है। जो गलियां कभी अपनत्व और रिश्तों की खुशबू से महकती थीं, वे अब भागदौड़, भीड़ और उदासीनता का प्रतीक बन गई हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिकता की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ाए, पर इस भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक संबंध पीछे छूट गए। शहरों का विस्तार अब मनुष्य की जरूरतों के बजाय बाज़ार की मांगों के अनुसार हो रहा है। नई कॉलोनियाँ और ऊँची इमारतें पुराने मोहल्लों की जगह ले रही हैं, पर उनके भीतर वह आत्मीयता एवं संवेदनशीलता नहीं जो कभी लोगों के दिलों को जोड़ती थी। शहर अब केवल रहने की जगह नहीं रहे, वे उपभोक्तावाद और प्रतिस्पर्धा के केंद्र बन गए हैं। आधुनिकता ने सुविधा तो दी है, पर उसने संस्कृति, इतिहास और परंपरा के रंग फीके कर दिए हैं। स्मृतियों के जिन चौकों पर कभी संवाद और संवेदना का संसार बसता था, वहाँ अब केवल मशीनों की आवाज़ें और जल्दबाज़ी का शोर है।

नई पीढ़ी के लिए शहर अब केवल रोजगार, ग्लैमर और अवसर का माध्यम हैं। उसमें अपने शहर की आत्मा को समझने का भाव कम होता जा रहा है। यह सवाल अब और गहराता जा रहा है कि क्या विकास का अर्थ केवल ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें और मॉल हैं, या फिर उसमें मानवीय रिश्तों की ऊष्मा, संस्कृति और इतिहास का जीवंत अहसास भी शामिल होना चाहिए?

उप मुंयमंत्री ने नौसेना अध्यक्ष का किया नागरिक अभिनंदन

विन्ध्य के सपूतों ने आपरेशन सिंदूर में अप्रतिम वीरता दिखाकर देश का गौरव बढ़ाया है: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आज का दिन विन्ध्य क्षेत्र के साथ-साथ पूरे देश के लिए गौरव का दिन रहा, जब उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सतना जिले के ग्राम महुडर में नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का भव्य नागरिक अभिनंदन किया। महुडर, एडमिरल त्रिपाठी का गृहग्राम है, और इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने भावुक होते हुए कहा कि विन्ध्य की माटी के सपूत का उनके घर पर नागरिक अभिनंदन करना हम सबका गौरव बढ़ा रहा है। हमारे लिए यह बहुत सौभाग्य की बात है कि नौसेना अध्यक्ष त्रिपाठी और थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी विन्ध्य के सपूत हैं। दोनों ने सैनिक स्कूल रीवा से शिक्षा ग्रहण कर सेना में सर्वोच्च पद प्राप्त किया है। विन्ध्य के इन दोनों सपूतों ने आपरेशन सिंदूर में अप्रतिम साहस और वीरता दिखाकर विन्ध्य ही नहीं पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। आज इस परिसर में हर व्यक्ति के चेहरे पर खुशी और हृदय में गर्व का भाव है। ऐसा क्षण जीवन में विरले ही प्राप्त होता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे से गांव से निकलकर त्रिपाठी ने नौसेना अध्यक्ष जैसा बड़ा पद प्राप्त करके हम सबको गौरव की अनुभूति कराई है। नौसेना अध्यक्ष की सरलता, सहजता, पराक्रम और अपनी माटी के प्रति प्रेम अनुकरणीय है। एडमिरल त्रिपाठी आज भी अपनी गांव की माटी से जुड़े हुए हैं। भगवान की विन्ध्य और महुडर की माटी पर विशेष कृपा है जहाँ एडमिरल त्रिपाठी जैसे व्यक्ति ने जन्म लिया है।

आत्मविश्वास और सतत परिश्रम से ही सफलता मिलती है: नौसेना अध्यक्ष

समारोह में नौसेना अध्यक्ष एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि मैं गरीब परिवार का गांव का बेटा हूँ। मुझे गांव और सैनिक स्कूल से मिले संस्कारों ने ही जीवन को नई दिशा दी। मेरे चाचा जी रामलखन शर्मा ने बचपन से ही शिक्षा और अच्छे कॅरियर के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल में शिक्षा के दौरान मैंने अपने कॅरियर के संबंध में महत्वपूर्ण योजना बनाई। सैनिक स्कूल के अनुशासन और परिश्रम ने मेरी सफलता का मार्ग प्रशस्त किया। मैंने हमेशा अपने सम्पर्क और संबंधों को महत्व दिया। सेना में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए मुझे इससे बहुत लाभ मिला। विन्ध्य में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हमारे क्षेत्र की कई प्रतिभाएं अलग-अलग क्षेत्रों में अपने प्रतिभा के जौहर दिखा रही हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने की कार्ययोजना बनाई है। इस सपने को पूरा करने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है। देश के विकास में हर व्यक्ति अपना योगदान दे। मैं बहुत साधारण परिवार में पैदा हुआ और नौसेना अध्यक्ष के पद तक पहुंचा। आपकी पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति आपकी सफलता का प्रारंभिक बिन्दु है।

3 अवैध क्लीनिक, 2 मेडिकल स्टोर सील; उचेहरा में ड्यूटी टाइम में प्राइवेट प्रैक्टिस पर मिला मेडिकल ऑफिसर, शोकॉज नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां और नागौद ब्लॉक में गुरुवार को स्वास्थ्य, प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीमों ने पूरे दिन अवैध क्लीनिक और मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई की। गुप्तगोदावरी में 3 क्लीनिक और 2 मेडिकल स्टोर सील किए गए। नागौद में आधा दर्जन से ज्यादा क्लीनिकों की जांच हुई। उचेहरा में ड्यूटी के दौरान निजी प्रैक्टिस करते पाए जाने पर मेडिकल ऑफिसर को शोकॉज नोटिस जारी किया गया।

गुप्तगोदावरी में 3 क्लीनिक और 2 मेडिकल स्टोर सील: नयागांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इंचार्ज डॉ. धर्मेन्द्र पाण्डेय की अगुवाई में गुप्तगोदावरी में कार्रवाई हुई। उनके साथ एसडीपीओ राजेश सिंह बंजारे, टीआई डीआर शर्मा और पुलिस बल मौजूद रहा। जांच के दौरान किसी भी संचालक ने क्लीनिक और मेडिकल स्टोर संचालित करने का लाइसेंस या पंजीयन दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। इसलिए तीनों क्लीनिक और दो मेडिकल स्टोर सील कर दिए गए। एक क्लीनिक में महिला मरीज भर्ती भी मिली। टीम सबसे पहले पटेल क्लीनिक और पटेल मेडिकल स्टोर पहुंची। यहां एक महिला मरीज उपचाररत मिली। संचालक क्लीनिक का पंजीयन और मेडिकल स्टोर का लाइसेंस नहीं दिखा सके। दोनों प्रतिष्ठान सील कर दिए गए।

जनता क्लीनिक और पवन क्लीनिक पर भी कार्रवाई: इसके बाद जनता क्लीनिक (अस्पताल) और मेडिकल स्टोर की जांच हुई। यहां भी संचालन अवैध मिला और टीम ने इन्हें सील कर दिया। पवन क्लीनिक (अस्पताल) में भी पंजीयन न मिलने पर क्लीनिक सील किया गया।

नंदिता पाठक करेगी छात्र संवाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक राष्ट्र एक चुनाव के संदर्भ में भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक का दौरा कार्यक्रम सुनिश्चित हुआ है। वह दिल्ली से चित्रकूट के लिए रवाना होंगी। 2 तारीख को चित्रकूट के स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के बाद, 3 तारीख को सतना पहुंचेंगी।

जानकारी के अनुसार, नंदिता पाठक करही स्थित रामाकृष्ण कॉलेज के सभागार में छात्र संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगी, जहां वे छात्रों से चर्चा करेंगी। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिसमें वे अपनी समस्याओं और विचारों को सीधे प्रदेश उपाध्यक्ष के सामने रख सकेंगे।

प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक के आगमन पर उनके समर्थकों द्वारा स्वागत की अपील की गई है। स्वागत करने वालों में अरविंद गौतम, जानकी शरण गौतम, अरुण सिंह, राकेश पाण्डेय और पिडरा शामिल हैं।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने का निर्देश दिया गया है। नंदिता पाठक का यह दौरा भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह छात्रों के बीच पार्टी की नीतियों और विचारों को साझा करने का एक अवसर प्रदान करेगा।

पुलिस ने जब्त की 135 लीटर अवैध शराब, तस्करी में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार; दो चार पहिया वाहन भी पकड़े

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 135 लीटर अवैध देसी-अंग्रेजी शराब बरामद की। इस दौरान दो चार पहिया वाहन भी जब्त किए गए।

थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, हरनामपुर सब्जी मंडी के पास एक नीले रंग की कार में शराब की खेप बदली जा रही थी। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी।

पुलिस ने दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा: पुलिस ने आरोपियों को अवैध शराब की बोरियां गाड़ियों में बदलते हुए रंगे हाथों पकड़ा और उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया। पूछताछ में एक आरोपी की पहचान शंभू तिवारी (निवासी चोरहट, रीवा) और दूसरे की अफसर खान (निवासी कटरा बाजार, मैहर) के रूप में हुई।

पुलिस ने दोनों वाहनों की तलाशी ली, जिसमें 10 कार्टून देसी प्लेन शराब और 5 कार्टून अंग्रेजी गोवा शराब मिली। कुल 135 लीटर शराब की बाजार कीमत लगभग 72 हजार 500 आंकी गई है। पुलिस ने सफेद रंग की बलेनो कार (क्रमांक एमपी 17 ज़ेडसी 4595, कीमत 6 लाख रुपए) और नीले रंग की शेवरले कार (क्रमांक एमपी 19 सीए 4706, कीमत 3 लाख रुपए) को भी जब्त किया है।

आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज: दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी, एसआई कुलदीप सिंह, एएसआई जवाहर सिंह, प्रधान आरक्षक रविंद्र दोहरा, श्रवण सोनी, जय बागरी, विपिन सोधिया, आरक्षक राजेन्द्र सिंह, आशुतोष यादव, पवन कुमार, मोहित वैष्णव और सोमेश परिहार की टीम शामिल रही।

समाज और राष्ट्र हित में काम आने वाला संगठन ही ताकतवर: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला कसौधन वैश्य समाज के शपथ ग्रहण समारोह में सांसद गणेश सिंह ने कहा कि कसौधन वैश्य समाज की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि संगठन की ताकत और समाज, राष्ट्र के हित में काम करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को इस मजबूती से करना चाहिए कि लोग देख कर कहें कि क्या लोग हैं, गजब का काम करते हैं।

यह उद्गार सांसद ने अक्षय नवमी के पावन अवसर पर जिला कसौधन वैश्य समाज की नवगठित जिला इकाई के शपथ ग्रहण समारोह एवं स्व. गोविंद प्रसाद गुप्ता की दसवीं पुण्यतिथि पर आयोजित पारिवारिक मिलन समारोह के दौरान व्यक्त किए।

सांसद ने कहा कि जिला कसौधन वैश्य समाज लंबे समय से समाज के हर कार्यक्रम में शामिल होता है। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि कश्यप ऋषि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ किया गया।

सांसद ने नवनिर्वाचित जिला इकाई के पदाधिकारियों को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई कि वे समाज, संगठन और राष्ट्र के हित में सदा समर्पित रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान जिला संयोजक ऋषिकेश गुप्ता ने समाज की बहुप्रतीक्षित मांग कश्यप धाम बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। सांसद ने कहा कि यदि जिला कसौधन समाज भूखंड उपलब्ध कराए, तो कश्यप धाम निर्माण में सरकार पूरा सहयोग करेगी।

प्रभुता पाय काही मद नहीं, कृत्य निंदनीय कार्यवाही के योग्य: नारायण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी ने सतना सांसद गणेश सिंह द्वारा एक अदने से कर्मचारी के साथ किए गए कृत्य की घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी का असली चेहरा है, जो चाल, चरित्र और चेहरे की दुहाई देने के बावजूद एक बार फिर जनता जनार्दन के सामने आ गया है।

त्रिपाठी ने कहा कि यदि वीडियो की बात की जाए, तो एक कर्मचारी जो सांसद की मदद करने गया था, उसे इनाम में सांसद जी ने थप्पड़ बरसा दिया। यह सोचने की बात है कि एक कर्मचारी सांसद जी को क्यों मारना चाहेगा। यदि कुछ भूल-चूक हो भी गई थी, तो धैर्य रखना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि सांसद गणेश सिंह के चाल-चरित्र के बारे में उन्होंने कई बार बताया और दिखाया है कि इनके खाने और दिखाने के दांत अलग-अलग हैं। अब सवाल यह है कि अनुशासन की दुहाई देने वाले जो शीर्ष पर बैठे हैं, वे आम आदमी को थप्पड़ मारने वाले सांसद पर कार्रवाई करेंगे या नहीं।

त्रिपाठी ने मामले की घोर निंदा करते हुए थप्पड़ वाजों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कृत्य समाज में असंतोष और आक्रोश पैदा करते हैं, और ऐसे नेताओं को अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

महापौर ने लगभग 1200 मीटर लंबी सी.सी. सड़क निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 38 के पार्षद रशीद, वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद मोहम्मद तारिक रजा उर्फ फुरशत भाई, वरिष्ठ समाजसेवी राम अवतार चमड़िया, अशोक नामदेव, प्रदीप अरोड़ा, सिद्धनाथ गुप्ता, विमल नामदेव, विनोद गोयल और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर ने इस सड़क निर्माण कार्य को नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह सड़क न केवल स्थानीय निवासियों के लिए सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास में भी सहायक होगी।

इस भूमि पूजन के दौरान महापौर ने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें और अपने क्षेत्र की बेहतरी के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की निगरानी की जाएगी ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

दर्दनाक घटना, कुछ ही घंटे के अंतराल में पिता और पुत्र की हुई मृत्यु

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के सिंधी कैंप में गुरुवार को एक अप्रत्याशित दर्दनाक घटना हुई, जब कैंसर पीड़ित 65 वर्षीय पिता और फिर इसी सदमे में उनके 27 वर्षीय इकलौते पुत्र की मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना का समाचार मिलते ही सतना सहित रीवा, मैहर और पूरे विंध्य क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

रीवा सिंधी सेंट्रल पंचायत के प्रवक्ता गुलाब साहनी ने बताया कि समाजसेवी राजकुमार चंदवानी लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे और उनका उपचार चल रहा था। गुरुवार को सुबह 5:00 बजे उनके निधन की खबर आई। उनका बेटा दिनेश चंदवानी अन्य परिजनों के साथ अंतिम संस्कार की तैयारी में व्यस्त था। इसी बीच, लगभग सुबह 11:00 बजे अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि हार्ट अटैक के कारण दिनेश की भी मृत्यु हो गई।

अब घर में केवल 60 वर्षीय बुजुर्ग मां सरला चंदवानी अकेली रह गई हैं। दिनेश चंदवानी इकलौता बेटा था और उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। तीन शादीशुदा बहनों की ससुराल रीवा, कटनी और खुरई (सागर) में है। बेटियों के सतना पहुंचने के बाद पिता और पुत्र का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

इस अप्रत्याशित दुखद घटना के बाद बुजुर्ग मां की हालत नाजुक है। शोक इस घड़ी में रीवा सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष दादा प्रहलाद सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दादा संतुलाल आहूजा, संरक्षक दादा हुकूमत राय होतवानी, महासचिव शंकर साहनी, उपाध्यक्ष कैलाश कोटवानी, सचिव मनीष मलकानी, और रीवा व्यापारी महासंघ के कई सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की।

बोनान्जा के छात्र चिराग ने जीता कांस्य पदक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बोनान्जा का0 हो0 से0 स्कूल के कक्षा 6वीं के छात्र चिराग पाण्डेय ने हाल ही में उज्जैन में आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता अंडर-14 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। चिराग की इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का माहौल है।

विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप अरोरा, चेयरमैन गौरव अरोरा, प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव, संरक्षिका रूचि अरोरा और समस्त विद्यालय परिवार ने चिराग की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि चिराग की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद है। चिराग ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है, जो सभी छात्रों को प्रोत्साहित करेगा।

विद्यालय ने चिराग को उसकी इस सफलता के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिससे उसकी मेहनत और उपलब्धियों को मान्यता मिली। चिराग ने अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया है, और उसकी सफलता से सभी को गर्व है।

राष्ट्रीय एकता के लिये दौड़े छात्र-छात्रायें और शहरवासी, कलेक्टर ने दिखाई रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम से पुलिस परेड ग्राउंड सिविल लाइन तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल के छायाचित्र में पुष्पहार अर्पित कर किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों तथा उपस्थित जनसमुदाय को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। तदुपरांत कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने हरी झण्डी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को रवाना किया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, डीएफ्ओ मयंक चांदीवाल, अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास राजीव सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, शासकीय महाविद्यालय प्राचार्य एससी राय, राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं शैक्षणिक स्टाफ तथा छात्र-छात्राएं और नगरवासी उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयंती के अवसर पर एडिशनल एसपी शिवेश सिंह ने साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत इंटरनेट के उपयोग और दुरुपयोग के खतरे के संबंध में युवाओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित यूनिटी मार्च के अवसर पर नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एनएसएस के स्वयं सेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई।

पुलिस को नवजात और आरोपी महिला को सौंपा

स्वास्थ्य परीक्षण कराया, डॉक्टर की टीम के साथ रवाना किया, जिला अस्पताल से हुआ था चोरी

सागर, एजेंसी। शिवपुरी जिला अस्पताल से एक दिन का बच्चा चोरी कर भागी महिला को सागर पुलिस ने पकड़ा था। नवजात को सुरक्षित बरामद किया था। मामले की सूचना पर गुरुवार को शिवपुरी पुलिस सागर पहुंची। जिला अस्पताल में भर्ती नवजात को देखा। यहां कानूनी और कागजी कार्रवाई करने के बाद सागर पुलिस ने नवजात को शिवपुरी पुलिस को सुरक्षित सौंप दिया है। साथ ही नवजात लेकर भागी आरोपी महिला को भी शिवपुरी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद एंबुलेंस की मदद से डॉक्टर की टीम और पुलिस स्टॉफ के साथ नवजात को लेकर सागर से शिवपुरी के लिए रवाना कर दिया गया है। दरअसल, शिवपुरी जिला अस्पताल में भर्ती प्रसूता रोशनी आदिवासी ने बच्ची को जन्म दिया था। वार्ड में मौजूद एक अन्य महिला पिछले करीब एक दिन से परिवार के संपर्क में थी और लगातार उनके साथ बातचीत कर रही थी।

सागर में मिली लोकेशन

वह मंगलवार सुबह करीब 5 बजे प्रसूति वार्ड से एक दिन की नवजात को पति को दिखाने का बोलकर उठाकर ले गई। लेकिन वह काफी समय तक वापस नहीं लौटी। परिजन ने आसपास तलाश किया। लेकिन बच्चा और महिला नहीं मिले। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। शिवपुरी पुलिस ने नाकाबंदी कर तलाश शुरू की। इसी बीच महिला की लोकेशन सागर जिले के आसपास मिली। लोकेशन मिलते ही सागर पुलिस को सूचना दी गई।

300 पुलिसकर्मी सर्चिंग में जुटे

सागर पुलिस ने जिले में नाकाबंदी की। 300 से अधिक पुलिसकर्मी मैदान में उतारे गए। सर्चिंग और चेकिंग करते हुए बुधवार रात झांसी की ओर से आ रही बस से महिला को नवजात के साथ पकड़ा गया। कैंट पुलिस ने पगारा रोड से बस में बच्चे को बरामद किया। महिला को हिरासत में लिया था।

शिवपुरी पुलिस पहुंची सागर

महिला के पकड़े जाने और नवजात मिलने की सूचना पर शिवपुरी पुलिस सागर पहुंची। प्रशिक्षु आईपीएस आयुष जाखड़ अपनी टीम के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण पूर्ण किया गया। आवश्यक दस्तावेजी और कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। जिसके बाद नगर पुलिस अधीक्षक सागर ललित कश्यप की निगरानी में शिवपुरी से आए प्रशिक्षु आईपीएस आयुष जाखड़ और मेडिकल टीम, महिला पुलिस टीम के साथ नवजात को एंबुलेंस से रवाना किया गया।

देश को एक रखने की शपथ-रतलाम में रन फॉर यूनिटी डीआईजी ने हरी झंडी दिखाई; सरदार पटेल की 150वीं जयंती

रतलाम, एजेंसी। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के मौके पर रतलाम में शुक्रवार सुबह सद्भावना दौड़ का आयोजन किया। दौड़ के पहले कलेक्टर मिशा सिंह ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। डीआईजी निमिष अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर नेहरु स्टेडियम से दौड़ शुरू की।

डीआईजी, कलेक्टर समेत एसपी अमित कुमार, एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, एएसपी राकेश खाखा समेत खिलाड़ी व अन्य ने दौड़ में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, महापौर प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, भाजपा जिला मंत्री अनुज शर्मा, पवन सोमानी समेत खिलाड़ी, खेल संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

इन मार्गो ने निकली: सद्भावना दौड़ नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर छत्री पूल, कॉलेज रोड, जेल रोड होते हुए लोकेंद्र टॉकीज चौराहा, न्यू रोड, दो बत्ती चौराहा से होते हुए सज्जन सिंह स्टैच्यू से होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पर समापन हुआ। जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों ने रोटरी गार्डन में पौधारोपण भी किया।

खांड़ा गांव में भालू घुसा-वन विभाग कर रहा निगरानी

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर जिले के खांड़ा गांव में शुक्रवार सुबह एक भालू घुस आया। सूचना मिलने पर वन विभाग का मैदानी अमला मौके पर पहुंचा और भालू की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहा है। विभाग भालू को ग्रामीण क्षेत्र से जंगल की ओर भेजने का प्रयास कर रहा है।

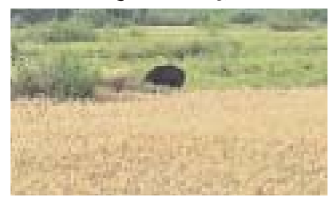

भालू शुक्रवार सुबह कोदैली और रामपुर गांव की सीमा पर कठना नदी के किनारे से खांड़ा गांव में दाखिल हुआ। यह चंद्रभूषण मिश्रा के खेत और मुख्य मार्ग से लगे तेलरी तालाब के पास झाड़ियों में कुछ देर छिपा रहा। बाद में पटाखों की आवाज सुनकर यह कठना नदी की ओर चला गया, लेकिन फिर वापस खांड़ा गांव में ठाकुरबाबा, अमरहाई तालाब, अस्पताल और हाईस्कूल के बीच विचरण करता देखा गया। भालू के विचरण की खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। वन विभाग ने ग्रामीणों को भालू से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए और उन्हें दूर रखा।

खरगोन के घोड़वा घाट में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

22 घायल, 5 गंभीर खंडवा रेफर; मिर्ची तोड़ने हीरापुर जा रहे थे

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के भीकनगांव-सनावद रोड पर घोड़वा घाट में शुक्रवार सुबह मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में 22 मजदूर घायल हुए हैं। इनमें से 5 को गंभीर हालत में खंडवा रेफर किया गया है। सभी मजदूर मिर्च तोड़ने के लिए बिराली से हीरापुर जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 9:30 बजे घोड़वा घाट के मोड़ पर ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। चीख-पुकार मचते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत काम शुरू किया। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिराली में इन दिनों मिर्च और कपास की तुड़ाई का काम चल रहा है। काम पर आए 25 से ज्यादा मजदूर खंडवा के रहने वाले हैं और किराए पर ठहरकर रोज खेतों में जाते हैं। हादसे में घायल हुए लोगों में महिलाएं, बच्चे और युवतियां शामिल हैं। शुक्रवार को काम पर जाने के लिए बिराली से निकलने के बाद घोड़वा घाट पर ट्रैक्टर ट्रॉली असंतुलित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर 112 डायल कर सनावद और बेड़िया के वाहन चालक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को सनावद सिविल अस्पताल पहुंचाया।

5 घायल खंडवा रेफर

सनावद सिविल अस्पताल में डॉ. सार्थक, डॉ. निकिता, डॉ. साक्षी पटेल और डॉ. मिनल मंडलोई की टीम ने घायलों का इलाज किया। गंभीर रूप से घायल 5 मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद खंडवा रेफर किया गया है। घायलों में महिलाएं, बच्चे और युवतियां शामिल हैं। हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सनावद पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरदार पटेल जयंती पर सड़कों से स्टेडियम तक दौड़े छात्र, रायसेन कलेक्टर ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

रायसेन, एजेंसी। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस पर शुक्रवार को रायसेन में 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पुलिस परेड ग्राउंड में हुए आयोजन में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सभी उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी पंकज पांडे, नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन, अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय और एएसपी कमलेश कुमार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद कलेक्टर ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने का संकल्प दिलाया। शपथ ग्रहण के उपरांत 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। दौड़ में अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह दौड़ नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए खेल स्टेडियम में समाप्त हुई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस जवान और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे। इस दौरान पुलिस परेड ग्राउंड में कलेक्टर, एसपी और नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन सहित अन्य अधिकारियों ने पौधरोपण भी किया।

महिला की मौत, पति ने बताया हादसा-परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया; भाई बोला : मारपीट करते थे

पन्ना, एजेंसी। जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र में एक 34 वर्षीय महिला राम प्यारी कुशवाहा की मौत हो गई। नयापुरा निवासी राम प्यारी कुशवाहा (पति राकेश कुशवाहा) को पन्ना जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति राकेश कुशवाहा ने बताया कि 30 अक्टूबर की देर शाम वे अपनी पत्नी के साथ बाइक से अमानगंज से किराने का सामान लेकर मडैयन जा रहे थे। द्वारी पेट्रोल पंप के आगे एक ट्रक से क्रॉसिंग के दौरान उनकी बाइक बेकाबू हो गई। इस हादसे में राम प्यारी के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई।

उन्हें पहले अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां गंभीर हालत के चलते प्राथमिक उपचार के बाद पन्ना जिला अस्पताल रेफर किया गया था। जहां उसकी मौत हो गई। मृतका के भाई राम किशन कुशवाहा ने अपने जीजा राकेश कुशवाहा पर बहन राम प्यारी के साथ मारपीट करने और उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि राकेश कुशवाहा बचने के लिए दुर्घटना की कहानी गढ़ रहा है। राम किशन ने यह भी आरोप लगाया कि उनके जीजा अक्सर उनकी बहन के साथ मारपीट करते थे और पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा कि यह दुर्घटना थी या हत्या कर उसे दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

युवक ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के सलामतपुर में एक युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान विदिशा निवासी 26 वर्षीय जितेंद्र साहू के रूप में हुई है। जितेंद्र सुबह अपने घर से भोपाल जाने का कहकर निकला था। उसने अपनी 12 बोर बंदूक से खुद को गोली मारी। युवक का शव सलामतपुर रेलवे ओवरब्रिज के पास सड़क किनारे मिला। उसके पास ही 12 बोर की बंदूक पड़ी थी। घटनास्थल पर युवक की मोटरसाइकिल और उस पर एक बैग भी मिला। राहगीरों की सूचना पर सलामतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सील कर जांच शुरू की। युवक ने 12 बोर बंदूक को अपने दोनों पैरों के बीच फंसाकर, पेट के बल बंदूक की नली पर झुककर ट्रिगर दबाया। इससे गोली उसके पेट के आर-पार हो गई। सलामतपुर थाना प्रभारी दिनेश रघुवंशी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। मृतक जितेंद्र साहू गार्ड की नौकरी कर चुका था। उसकी बंदूक में जिंदा कारतूस भी फंसे हुए मिले हैं। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी। जितेंद्र अपने परिवार का इकलौता बेटा था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

धर्म परिवर्तन कराने वालो तीन आरोपी गिरतार

लालच देकर धर्म बदलवाने की कोशिश, 15 दिनों से प्रार्थना सभा में बुलाया जा रहा था

सीहोर, एजेंसी। जिले के बरखेड़ी गांव में जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले में पुलिस ने जांच लगभग पूरी कर ली है। शिकायत के आधार पर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पीड़ितों को लालच और डर दिखाकर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा था। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सुरेश बारेला और बने सिंह विश्वकर्मा ने कोतवाली थाना में लिखित शिकायत दी थी। उनके अनुसार आरोपी महेश, गोपाल और प्यार सिंह पिछले 15 दिनों से उन्हें प्रार्थना सभा में बुला रहे थे। उन्होंने तबीयत ठीक करने, मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराने और आर्थिक लाभ देने का आश्वासन दिया। आरोपियों ने कहा कि ईसाई धर्म अपनाने पर ये सभी सुविधाएं मिलेंगी।

मना करने पर धमकाने की शिकायत, केस दर्ज

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि 29 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे प्रार्थना सभा के दौरान आरोपियों ने उनसे धर्म परिवर्तन करने और बाइबिल के साथ अन्य धार्मिक पुस्तकें पढ़ने को कहा। जब उन्होंने इनकार किया, तो गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर पुलिस ने धारा 296, 351(2) बीएनएस के साथ मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3(1)(ड्) और 5 के तहत केस दर्ज किया है। मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल विवेचना शुरू की गई।

एसपी के निर्देशन में कार्रवाई, आरोपी जेल में

एसपी दीपक शुक्ला के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली रवींद्र यादव और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद उनका जेल वारंट बन गया, जिस पर उन्हें जिला जेल सीहोर भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में महेश बारेला पिता खौम सिंह बारेला निवासी फागिया थाना इछावर, गोपाल बारेला पिता पाड्या बारेला निवासी कौसम्बी जिला खरगोन और प्यार सिंह बारेला पिता खुमान सिंह बारेला निवासी दीवाल पंढाना जिला खंडवा शामिल हैं। पुलिस अब संबंधित साक्ष्यों को संकलित कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

बारिश के बीच ट्रांसफार्मर में लगी आग-आजाद नगर की बिजली गुल रही, शॉट सर्किट से हुआ हादसा

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर के आजाद नगर स्थित एक वाटर प्लांट के पास गुरुवार देर रात एक ट्रांसफॉर्मर में भयानक आग लग गई। उसी समय करीब रात 12 बजे क्षेत्र में तेज बारिश भी शुरू हो गई। आग लगते ही क्षेत्र की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। वाटर प्लांट के मालिक अख्तर पहलवान ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर में लगी आग की लपटें काफी तेज थीं और इससे बड़ा हादसा हो सकता था। लोग घबरा गए और आसपास भीड़ जमा हो गई। आग लगने से पहले ही इलाके में तेज बारिश हो रही थी। आग लगते ही बिजली गुल हो गई, जिससे अंधेरा फैल गया। बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भराव की स्थिति बन गई।

मौसम विभाग की चेतावनी के बाद बारिश: मौसम विभाग ने जिले में बारिश की चेतावनी जारी की थी। गुरुवार देर रात अचानक तेज बारिश शुरू हुई, जिससे ठंडक बढ़ गई। एक दिन पहले बुधवार को भी आसमान में बादल छाए रहे और बारिश का मौसम बना रहा।

डवाइडर से टकराई कार दंपति बाल-बाल बचे

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर में गुरुवार रात करीब 11 बजे महू-नीमच हाइवे पर पिपलियामंडी स्थित मीनाक्षी होटल के सामने एक कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार दंपति को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, नीमच निवासी मुकेश जैन अपनी पत्नी सुनीता जैन के साथ अपनी बच्चों की शादी के निमंत्रण पत्र बांटने नीमच गए थे। दोनों आल्टो कार (क्रमांक RJ 09 CB 5652) से मन्दसौर लौट रहे थे। जैसे ही वे पिपलियामंडी के पास पहुंचे, उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दंपति को कार से सुरक्षित बाहर निकाला।

एसएएफ जवान सुसाइड केस में सुसाइड नोट से खुला सास-ससुर, पत्नी और साले का बताया जिम्मेदार

लिखा-मेरे शव के पास इनकी परछाई भी मत पड़ने देना

नर्मदापुरम, एजेंसी। 25वीं बटालियन एसएएफ के कांस्टेबल लोचन सिंह यादव के सुसाइड केस में देहात थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरक्षक लोचन सिंह यादव की पत्नी प्रीति यादव, उसके ससुर रामकरण यादव, सास और साले को आरोपी बनाया है। आरक्षक लोचन सिंह ने बुधवार को आत्महत्या की थी, पुलिस को उनके पास से सुसाइड नोट मिला। गुरुवार को सुसाइड नोट के आधार पर उनकी पत्नी, सास, ससुर और साले के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पत्नी सास-ससुर और साले को बताया जिम्मेदार

एसएएफ कांस्टेबल ने पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए लिखा कि इनकी वजह से मैं जान दे रहा हूं। सुसाइड नोट के अलावा कांस्टेबल सुबह 5 बजे वाट्सएप पर मैसेज परिजन को भेजा था जिसमें उसने अपनी पत्नी, सास, ससुर और साले से परेशान होकर फांसी लगाने की बात लिखी। मृतक ने उसकी लाश पर पत्नी समेत इन लोगों की परछाई भी न पड़ने की बात भी मैसेज में लिखी। इन सभी पर गुरुवार को पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है।

ताला तोड़कर अंदर घुसी पुलिस व परिजन

मृतक लोचन सिंह यादव का देहात थाने के वैदिक बिहारी कॉलोनी में मकान है। मंगलवार रात को वो घर पर अकेला था। सुबह 5 बजे उसने अपने परिजन को मैसेज था। घबराकर बुधवार सुबह 10 बजे जब उसकी बहन और भाई घर पहुंचे तो दरवाजे में अंदर से ताला लगा था। पुलिस को बुलाकर ताला तुड़वाया गया। कमरे के अंदर आरक्षक लोचन फांसी के फंदे पर लटका था। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसके मोबाइल को जांच के लिए जब्त किया। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया घटनास्थल पर सुसाइड नोट मिला था।

25वीं बटालियन में आरक्षक था लोचन सिंह

मृतक आरक्षक लोचन सिंह यादव एसएएफ 25वीं बटालियन भोपाल में आरक्षक था। उसकी पत्नी प्रीति यादव सरकारी टीचर है। ससुर रामकरण यादव गुज्जरवाड़ा के पूर्व सरपंच व भाजपा नेता है।

यह सुसाइड नोट में लिखा: लोचन सिंह यादव आज फांसी लगा रहा हूं। वो भी मेरी पत्नी प्रीति यादव रामकरण यादव गुजरवाड़ा इन्होंने मुझे इतना परेशान किया है और आज में प्रीति के कारण, उसकी मम्मी और भाई के कारण फांसी लगा रहा हूं। मेरी लाश या मेरे शरीर के पास इन लोगों की परछाई भी न पड़े।

नवजात आध्या की घर वापसी, एसपी राठौड़ की गोद में दिखी करुणा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कभी-कभी कुछ घटनाएँ समाज की चेतना को झकझोर कर रख देती हैं। जिला अस्पताल से नवजात बच्ची आध्या के अपहरण और फिर उसकी सुरक्षित घर वापसी का नाटकीय घटनाक्रम सिर्फ पुलिस की एक सफल जाँच नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत संगम है। जन्म के कुछ ही घंटों बाद अजनबी अगवाह कर लिया अब वह नन्ही जान अब फिर से अपनी माँ की गोद में है, जिसने पूरे शहर को भावनात्मक सुकून दिया है।

एसपी की गोद में आध्या, करुणा का प्रतीक: पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने जब उस मासूम बच्ची को अपनी गोद में लिया और उसे स्नेहपूर्वक थामा, तो वह पल केवल एक प्रशासनिक तस्वीर नहीं था, बल्कि उस करुणा और जिम्मेदारी का जीवंत प्रतीक था जिसकी अपेक्षा आम जनता पुलिस विभाग से करती है। इस घटना ने साबित कर दिया कि जब कर्तव्य के साथ संवेदना का मेल होता है, तो पुलिस बल सिर्फ कानून का रखवाला नहीं, बल्कि जीवन का रक्षक बन जाता है।

तत्परता और दक्षता की मिसाल: शिवपुरी पुलिस ने इस संवेदनशील मामले में जिस अभूतपूर्व तत्परता और दक्षता का परिचय दिया, वह काबिले तारीफ है। 300 से अधिक पुलिस जवानों की अथक मेहनत, दिनभर की गहन सर्चिंग, और दो जिलों की संयुक्त, रणनीतिक कार्रवाई ने इस असंभव सी चुनौती को संभव बना दिया। इस बड़ी सफलता का श्रेय सीधे तौर पर पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के सूक्ष्म निर्देशन और मानवीय नेतृत्व को जाता है।

जनता का विश्वास हुआ और मजबूत: इस सराहनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में, गुर्जर समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधि पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचे। उन्होंने पुलिस कप्तान श्री राठौड़ को शुभकामनाएँ दीं और उनका सम्मान किया। समाज के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि उनकी तत्परता और संवेदनशील नेतृत्व ने पूरे जिले में पुलिस पर जनता का विश्वास और भरोसा कई गुना मजबूत कर दिया है।

तेज रफ्तार बाइक सड़क पर पड़े पत्थर से टकराकर फिसली

सिवनी, एजेंसी। बरघाट थाना क्षेत्र में बरघाट गांव के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पत्थर से टकरा गई। हादसे में प्रियांश नागेश (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 10 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, प्रियांश नागेश बोरी कला गांव से बरघाट की ओर जा रहे थे। गांव के समीप पहुंचने पर उनकी बाइक सड़क पर पड़े पत्थर से टकराकर फिसल गई। इस दुर्घटना में उनके सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल पुलिस और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल प्रियांश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरघाट में भर्ती कराया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है। बरघाट थाना प्रभारी मोहनीश बेस ने बताया कि बाइक फिसलने से हुए हादसे की सूचना मिली थी और फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां लोगों और वाहनों का आवाजाही अधिक रहती है।

50वीं महाराजा अग्रसेन अंडर-17 क्रिकेट ट्रॉफी- बंगाल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला और हरियाणा सेमीफाइनल में पहुँचे

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत) द्वारा आयोजित 50वीं अखिल भारतीय अंडर–17 महाराजा अग्रसेन क्रिकेट ट्रॉफी में बंगाल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला और हरियाणा ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मैच टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला और ट्राई सिटी इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। सेमीफाइनल और फाइनल मैच कल टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल बंगाल और हरियाणा के बीच टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मैच कुरुक्षेत्र और पंचकूला के बीच ट्राई सिटी इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। फाइनल मैच दोपहर 12 बजे टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में खेला जाएगा और पुरस्कार वितरण समारोह शाम 4.30 बजे होगा। आज पंचकूला के टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम में रयान अरोड़ा के शानदार शतक (78 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों सहित 100 रन) की बदौलत बंगाल ने दिल्ली को 90 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।रयान अरोड़ा को उनके शानदार शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम ने 25 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाए पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम ने 25 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज रयान अरोड़ा ने 78 गेंदों में सर्वाधिक 100 रन बनाए, अधिराज कुर्ल ने 31 रन बनाए जबकि मनवीर सिंह ने 22 रन बनाएगेंदबाजी में दिल्ली के गेंदबाज सुखमन सिंह और युद्धवीर सिंह ने 2–2 विकेट लिए जवाब में दिल्ली की टीम 25 ओवर में 8 विकेट पर 104 रन बनाकर 90 रन से हार गई।

कभी रात–रातभर रोती थीं जेमिमा रोड्रिगेज, अब सोशल मीडिया पर हो रही जमकर तारीफ

नवी मुंबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में भारत को जीत दिलाने में जेमिमा रोड्रिगेज का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 134 गेंदों में 14 चौकों के साथ 127 रन की नाबाद पारी खेली। जिस खिलाड़ी को कभी विश्व कप 2022 की टीम में शामिल तक नहीं किया गया था, वही खिलाड़ी 2025 विश्व कप में नायिका बनीं, जिसके बाद बधाइयों का तांता लग गया। भारत को मैच जिताने के बाद जेमिमा रोड्रिगेज मैदान पर अपने आंसू नहीं रोक सकीं। पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में जेमिमा ने बताया कि जब उन्हें विश्व कप 2022 में मौका नहीं दिया गया, तो वह रात–रातभर रोती थीं, लेकिन ब्रेक लेने के बाद वह फिर से मैदान पर उतरीं। आज इस खिलाड़ी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को मात देकर विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बनाई है, जहां 2 नवंबर को उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जेमिमा की तारीफ में लिखा, जीवन की सबसे यादगार पारी। जेमिमा रोड्रिगेज का सहज क्रिकेट देखना शानदार था। वह टीम से अंदर–बाहर होती रहीं, लेकिन कभी हार नहीं मानी। स्थानीय लड़की डीवाई पाटिल स्टार हैं।वहीं, मास्टर–ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, शाबाश जेमिमा रोड्रिगेज और हरमनप्रीत कौर, आपने शानदार प्रदर्शन किया। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा, आपने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा। तिरंगा इसी तरह लहराते रहो!पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने लिखा, भारतीय महिला टीम को शांत और संयमित तरीके से इस लक्ष्य का पीछा करते हुए देखना वाकई सुखद अनुभव था। जेमिमा रोड्रिगेज और हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा।

जेमिमा रोड्रिगेज : 2022 विश्व कप में हुईं दरकिनार, वही खिलाड़ी बन गई भारत की हीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को नवी मुंबई में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिगेज भारत की जीत की नायिका रहीं, जिन्होंने 134 गेंदों में 14 चौकों के साथ नाबाद 127 रन बनाए। ये वही जेमिमा थीं, जिन्हें विश्व कप 2022 के लिए भारतीय टीम में स्थान तक नहीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवरों में 338 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए फोएबे लिचफील्ड ने 93 गेंदों में 119 रन की पारी खेली, जबकि एश्ले गार्डनर ने 63 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। महिला वनडे मैच में 300+ रन के लक्ष्य को हासिल करना हासिल नहीं रहा है। इतिहास में ऐसी सिर्फ दो ही टीमें थीं, जिन्होंने 300 से ज्यादा रन बनाकर महिला वनडे मैच जीता था। ऐसे में फैंस मान बैठे थे कि ऑस्ट्रेलिया का फाइनल में पहुंचना निश्चित है, लेकिन जेमिमा रोड्रिगेज और हरमनप्रीत कौर के हौसले बुलंद थे।

339 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 9.2 ओवरों में 59 के स्कोर तक 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से ऑस्ट्रेलियाई खेमे में खुशी की लहर थी। भारतीय फैंस मायूस थे, लेकिन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ भारतीय टीम का जिम्मा संभाला।

दोनों खिलाड़ियों ने 156 गेंदों में 167 रन की साझेदारी की। कौर 88 गेंदों में 89 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद जेमिमा ने 134 गेंदों में 14 चौकों के साथ नाबाद 127 रन बनाते हुए भारत की जीत दिलाई।

मैच जीतने के बाद दोनों ही खिलाड़ी काफी भावुक नजर आईं। एक और मैदान पर बैठीं जेमिमा अपने आंसू नहीं रोक सकीं, तो दूसरी तरफ ब्राउंडी के पार कप्तान हरमनप्रीत कौर डगआउट में फूट-फूटकर रो रही थीं।

याद दिला दें कि 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडल मैच में भारत को 9 रन से हार का सामना करना पड़ा था। कुछ महीनों के बाद टीम इंडिया हरमनप्रीत के दुर्भाग्यपूर्ण रन आउट होने के बाद टी20 विश्व कप 2023 में जगह बनाने से चूक गई थीं। बीते साल जब विश्व कप सेमीफाइनल दांव पर था, तो भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

इन तीनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया विलेन साबित हुआ था। 30 अक्टूबर को जेमिमा के दिमाग में यह बात थी। उन्होंने महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल को जीतने के बाद कहा, मुझे याद है कि हरमनप्रीत के आउट होने पर मुझे भी ऐसा ही लगा था। मैं हैरी दीदी से कह रही थी कि हम दोनों को मैच खत्म करना होगा। हम इसे अंत तक नहीं छोड़ सकते। हम तैयार हैं और जानते हैं कि हम इसे पूरा कर सकते हैं। अंत में वही हुआ।

हरमनप्रीत का विकेट गिरने के बाद भारत को घरेलू विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने के लिए 113 रनों की दरकार थी, जेमिमा कुछ हद तक धीमी नजर आ रही थीं, लेकिन आखिरकार खूंटा गाड़ते हुए भारत को जीत दिलाई। जेमिमा ने बताया, थकान के कारण मेरा ध्यान भटक रहा था। लेकिन जब हरमन आउट हो गई, तो मुझे और जिम्मेदारी मिली। मुझे लगा- ठीक है, मुझे यहां रहना है। ठीक है, वह आउट हो गई है, मैं उनके लिए भी रन बनाऊंगी। इससे मैं सही लय में आ गई और फिर मैंने समझदारी से खेलना शुरू कर दिया। 5 सितंबर 2000 को मुंबई में जन्मीं जेमिमा ने साल 2018 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल जीतने के बाद जेमिमा ने कहा, 18 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू करना हर किसी के बस की बात नहीं होती। अगर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना एक बात है, तो टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए कौशल और मानसिक मजबूती बनाए रखना दूसरी बात है। जेमिमा को 2022 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया था, जिससे उन्हें बड़ा झटका लगा था। जेमिमा बताती हैं, मैं लगभग हर रात रोती थीं और दोस्तों और परिवार के सामने अपनी भावनाओं को छुपाती थीं। इसके बाद थोड़े समय के विराम के बाद, जेमिमा ने अपना ध्यान उन चीजों पर केंद्रित किया जिससे उन्हें सबसे ज्यादा प्यार है। उन्होंने अपने स्थानीय कोचों के साथ काम किया, मुंबई के मैदानों में गई और अपनी जिद पर अड़ी रहीं। आखिरकार, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की नायिका जेमिमा ने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने हेजलवुड की घातक गेंदबाज़ी की बदौलत भारत को दूसरे टी-20 में 4 विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने 5 मैचों की टी 20 सीरीज में बनाई बढ़त

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की उछाल भरी पिच पर अभिषेक शर्मा की शानदार अर्धशतकीय पारी भी भारत को हार से नहीं बचा सकी। जोश हेज़लवुड (3 विकेट पर 13 रन) और साथियों की घातक गेंदबाज़ी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 मुकाबले में भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। पहला मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था।

भारत की पारी 18.4 ओवर में 125 रन पर सिमट गई, जिसमें अभिषेक ने 37 गेंदों पर 68 रन बनाए। जवाब में कप्तान मिचेल मार्श (26 गेंदों पर 46 रन) की आक्रामक बल्लेबाज़ी से ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य 13.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यह भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में गेंदें शेष रहने के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। पावरप्ले में ही चार बल्लेबाज़ पवेलियन लौट गए – यह केवल 10वां मौका था जब भारत ने टी20 में छह ओवरों के भीतर इतने विकेट गंवाए। हेज़लवुड ने टेस्ट जैसी लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी करते हुए भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। शुभमन गिल (5) और संजू सैमसन (2) सस्ते में आउट हुए, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा भी जल्दी चलते बने। भारत का स्कोर तब 6 ओवर में 40/4 था।

अभिषेक शर्मा ने एक छोर से आक्रामक अंदाज़ जारी रखा और 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हर्षित राणा (35) के साथ उन्होंने पाँचवें विकेट के लिए 50 से अधिक रनों की साझेदारी की और टीम को 100 के पार पहुँचाया। हालांकि, 16वें ओवर के बाद भारतीय बल्लेबाज़ी फिर लड़खड़ा गई। ज़ेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस ने तेजी से विकेट झटके। अभिषेक 68 रन बनाकर एलिस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए और टीम 125 पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भले धीमी रही, लेकिन ट्रैविस हेड (28) और मिचेल मार्श ने तेज़ रन बनाए। दोनों ने शुरुआती पाँच ओवरों में ही 50 से अधिक रन जोड़ दिए। वरुण चक्रवर्ती (2/23) और जसप्रीत बुमराह (2/26) ने कुछ देर मुकाबले को खींचा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज़ों ने 14वें ओवर में ही जीत दर्ज कर ली।

संक्षिप्त स्कोरः

भारत – 125 रन, 18.4 ओवर (अभिषेक शर्मा 68, हर्षित राणा 35; जोश हेज़लवुड 3/13, नाथन एलिस 2/21)।

ऑस्ट्रेलिया – 126/6, 13.2 ओवर (मिचेल मार्श 46, ट्रैविस हेड 28; वरुण चक्रवर्ती 2/23, जसप्रीत बुमराह 2/26)।

परिणामः ऑस्ट्रेलिया 4 विकेट से विजेता, सीरीज़ में 1-0 की बढ़त।

कोपा डेल रे : एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, लेवांटे ने भी जीता मुकाबला

मैड्रिड, एजेंसी। कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों के तीसरे दिन कोई बड़ा उलटफेर देखने को नहीं मिला। एक ओर एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, तो दूसरी तरफ लेवांटे ने जीत दर्ज की। एस्पेनयोल ने स्पेनिश खेल के चौथे टियर में खेलने वाली एटलेटिक लिडा के खिलाफ 2–1 से जीत दर्ज की। इस टीम के लिए दोनों गोल किके गार्सिया ने दागे। किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन शीर्ष स्तर की टीम को अंतिम मिनटों में तनावभरे पलों का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में लेवांटे ने चौथे टियर के ओरिहुएला के खिलाफ 4–3 से जीत दर्ज की। यह 7 गोल वाला एक रोमांचक मैच रहा। उनाई एल्गेजाबल और जोस लुइस मोरालेस के गोल ने 11 मिनट में ही लेवांटे को मुकाबले में 2–0 से आगे कर दिया था। शीर्ष स्तर की टीम के लिए यह मुकाबला आसान लग रहा था, लेकिन इसी बीच जेवियर सोल्सोना की पेनाल्टी ने ओरिहुएला को मैच में वापस ला दिया। कार्लोस एस्पी ने 48वें मिनट में गोल दागते हुए लेवांटे को फिर से 2 गोल की बढ़त दिलाई, लेकिन गोंजालो मिरांडे ने तीन मिनट बाद ही लेवांटे की बढ़त फिर से कम कर दी। हेक्टर अयोडेले ने आखिरी मिनट में गोल दागते हुए स्कोर 3–3 पर पहुंचा दिया, लेकिन एस्पी ने 92वें मिनट में विजयी गोल करके लेवांटे को जीत दिलाई। वहीं, सेल्टा विगो ने कमजोर प्यूर्टो डी वेगा को 2–0 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7–1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया जैसे शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी पर जीत शानदार : भारत की जीत को कोहली ने सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने महिला वनडे विश्व कप 2025 में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा है। कोहली ने इसे विश्वास और जुनून का सच्चा प्रदर्शन बताया है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 338 रन पर समेटने के बाद 48.3 ओवरों में 5 विकेट विकेट से जीत दर्ज की। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। इसी के साथ टीम इंडिया ने 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप फाइनल में जगह बनाई है, जहां 2 नवंबर को उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा। विराट कोहली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए लिखा, ऑस्ट्रेलिया जैसे शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी पर हमारी टीम की जीत शानदार है। लड़कियों ने शानदार तरीके से रनों का पीछा किया। एक बड़े मैच में जेमिमा ने शानदार प्रदर्शन किया। विश्वास और जुनून का सच्चा प्रदर्शन। शाबाश टीम इंडिया!

डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने फोएबे लिचफील्ड की शानदार शतकीय पारी के दम पर विशाल स्कोर बनाया। लिचफील्ड ने 93 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 119 रन की पारी खेली, जबकि एश्ले गार्डनर ने 63 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की ओर से श्री चरणी और दीप्ति शर्मा को दो-दो विकेट हाथ लगे।

इसके जवाब में भारत ने 9.2 ओवरों में 59 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेमिमा रोड्रिगेज ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रन जोड़ते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया।

हरमनप्रीत ने 88 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि रोड्रिगेज ने 134 गेंदों में 14 चौकों के साथ 127 रन की नाबाद पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गार्थ और एनाबेल सदरलैंड ने दो-दो विकेट हासिल किए।

टेनिस : मठों में खेला जाने वाला भिक्षुओं का खेल, जिसने ओलंपिक तक बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकप्रिय खेल टेनिस शारीरिक फुर्ती, मानसिक एकाग्रता और रणनीति का मेल है। विंबलडन और यूएस ओपन जैसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं के साथ इस खेल ने कॉमनवेल्थ और ओलंपिक गेम्स में भी अपनी छाप छोड़ी है। 11वीं शताब्दी में इस खेल को पहचान मिली थी। उस दौर में टेनिस जैसे इस खेल को फ्रांस में जेयू डे पॉम के नाम से जाना गया। मठ के प्रांगण में इस खेल को दीवारों और ढलान वाली छतों में खेला जाता था। उस दौर में गेंद को हिट करने के लिए रैकेट के बजाय हथेली का उपयोग होता था। करीब 14-16 शताब्दी के बीच इसमें पहले दस्तानों और फिर रैकेट का इस्तेमाल होने लगा। टेनिस के आधुनिक संस्करण की शुरुआत साल 1873 में हुई, जिसका श्रेय मेजर वाल्टर क्लॉप्टन विंगफील्ड को जाता है। उस समय इसे स्पैरिस्टिके नाम से पेटेंट कराया गया था। इसे ही आधुनिक लॉन टेनिस का शुरुआती संस्करण माना जाता है।

वाल्टर क्लॉप्टन अब इस खेल को सुलभ बना चुके थे। अब इसे बगीचों और खुले मैदानों में खेला जा सकता था। यही वजह रही कि यह तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हालांकि, उस वक्त एक घंटे के इस खेल में नेट ऊंचा होता था। साल 1877 में इस खेल में कुछ बदलाव करते हुए विंबलडन चैंपियनशिप के लिए कोर्ट को आयताकार बनाया गया।

यूं तो, टेनिस को 1896 एथेंस ओलंपिक में शामिल किया गया था, लेकिन विवाद के बाद इसे 1924 के बाद हटा लिया गया।

साल 1968 में अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने ओपन एरा की शुरुआत की, जिसमें शौकिया और पेशेवर खिलाड़ियों को एक साथ खेलने की अनुमति मिली।

साल 1968 और 1984 में यह प्रदर्शन खेल के तौर पर फिर से ओलंपिक में लौटा और आखिरकार 1988 सोल ओलंपिक में मेडल इवेंट के तौर पर इस खेल की ओलंपिक में आधिकारिक वापसी हो गई। साल 2012 में पहली बार ओलंपिक में इस खेल में मिश्रित युगल इवेंट को जोड़ा गया।

टेनिस के खेल में सिंगल्स और डबल्स के लिए आयताकार कोर्ट बना होता है, जिसमें खिलाड़ी स्ट्रिंग वाले रैकेट की मदद से गेंद को हिट करके उसे नेट के ऊपर से दूसरी तरफ पहुंचाते हैं। गेंद एक तरफ सिर्फ एक ही बार उछल सकती है। उछाल के बाद उसे रैकेट से हिट करना अनिवार्य है।

एक गेम को जीतने के लिए चार अंक (15, 30, 40) की जरूरत होती है। अगर आप 40-30, 40-15 या 40-लव से आगे हैं और एक अंक और जीतते हैं, तो आप गेम जीतते हैं।

ड्यूस की स्थिति में लगातार दो अंक जीतने पर ही गेम अपने नाम किया जा सकता है। एक सेट अपने नाम करने के लिए 6 गेम जीतना और विपक्षी से 2 गेम आगे होना जरूरी है। मैच में आमतौर पर 3 या 5 सेट होते हैं।

रोजर फेडरर, राफेल नडाल, सेरेना विलियम्स, नोवाक जोकोविच, कार्लोस अल्कराज, डेनियल मेदवेदेव, कोको गौफ जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के बीच इस खेल में लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, रोहन बोपन्ना, महेश भूपति, विजय अमृतराज और अख्तर अली जैसे भारतीय खिलाड़ियों ने अपना जलवा बिखेरा है।

भले ही लिएंडर पेस ओलंपिक में मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं, लेकिन इस खेल में ओलंपिक पदक जीते बगैर भी तमाम भारतीयों ने अपना लोहा मनवाया है।

टेनिस में भारत के भविष्य को उज्ज्वल माना जा रहा है। जूनियर स्तर पर भी नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आई हैं। अगर बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय मंच मिले, तो यकीनन भारत जल्द ही विश्वस्तर पर बड़ी सफलता हासिल कर सकता है।

हॉकी चंडीगढ़ के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि होंगे पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया : करन गिल्होत्रा

चंडीगढ़, एजेंसी। भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हॉकी चंडीगढ़ द्वारा आगामी 7 नवंबर को भव्य भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करन गिल्होत्रा, उपाध्यक्ष अनिल वोहरा और एडवाइजर शालीन कपूर ने कटारिया से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। राज्यपाल ने इस आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि चंडीगढ़ इस अवसर पर हॉकी के इतिहास में एक नई पहचान बनाएगा। करन गिल्होत्रा ने बताया कि समारोह के आयोजन में चंडीगढ़ प्रशासन, स्पोर्ट्स विभाग और नगर निगम चंडीगढ़ का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा –

हॉकी भारत की गौरवशाली धरोहर है। 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संस्था के गठन से शुरू हुई यह यात्रा आज 100 वर्ष पूरे कर रही है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि चंडीगढ़ इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनेगा। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को हॉकी के स्वर्णिम इतिहास से जोड़ना है।

अनिल वोहरा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी, जिसमें तीन प्रदर्शनी मैच खेले जाएंगे – लड़कों के जूनियर और सीनियर वर्गों के मुकाबले तथा लड़कियों का एक विशेष मैच शामिल होगा।

इस मौके पर देश-विदेश से हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें ओलिंपियन दीपक ठाकुर, राजपाल सिंह, बलजीत सिंह, साथ ही भारत की मौजूदा टीम के कप्तान संजय, मनिंदर सिंह, विक्रमजीत सिंह, और जूनियर टीम के कप्तान रोहित प्रमुख हैं।

करन गिल्होत्रा ने आगे बताया कि हॉकी इंडिया के नेतृत्व में देशभर में एक साथ ऐसे शताब्दी समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिससे हॉकी को नया आयाम और नई पहचान मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तुरेनार के ग्रोथ सेंटर का किया निरीक्षण

बस्तर की महिलाओं को सशत बनाएगा ग्रोथ सेंटर, स्थानीय उत्पादों से बनेगी नई पहचान - उपमुयमंत्री शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने गुरुवार को बस्तर जिले के ग्राम तुरेनार में स्थित ग्रामीण औद्योगिक केंद्र में संचालित ग्रोथ सेंटर का निरीक्षण किया। यहां महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे उत्पादों के प्रसंस्करण का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि मूल्यवर्धन हमारा मूल उद्देश्य है। बस्तर के स्थानीय उत्पादों को बाजार में बेहतर कीमत दिलाकर हम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने ग्रोथ सेंटर में चल रही गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि वर्तमान में केंद्र में हल्दी, मिर्च और धनिया का प्रसंस्करण हो रहा है जल्द ही तीखुर का प्रसंस्करण भी शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बस्तर की विशिष्ट पहचान बेलमेटल के भी उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महिला समूह की दीदीयों से चर्चा भी की। जहां महिला समूह की सदस्यों ने उन्हें मसालों की खरीदी, प्रसंस्करण तथा बिक्री प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी के उत्कृष्ट कार्य और मेहनत के लिए सभी की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि बस्तर में प्रचुरता से उपलब्ध स्थानीय उत्पादों के प्रसंस्करण पर कार्य करें, जिससे आय में वृद्धि के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति प्राप्त होगी।

भविष्य की योजनाओं को गति देते हुए उन्होंने केंद्र में इमली प्रसंस्करण इकाई को जल्द स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को इमली का बीज, तीखुर की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए इनके उत्पादक क्षेत्रों की मैपिंग कर महिला समूहों के माध्यम से संग्रहण करवाकर प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग कराने को कहा। जिससे मूल्यवर्धन हो और महिलाओं को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

उन्होंने महिला समूहों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने और महुआ से लड्डू, कुकीज़, काजू एवं रागी प्रीमिक्स तथा अन्य स्थानीय उत्पादित उत्पादों का प्रसंस्करण कराकर मूल्यवर्धन कराने को कहा ताकि ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे रोजगार प्राप्त हो और बस्तर की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।

इस मौके पर पूर्व विधायक श्री सुभाऊ कश्यप, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन सहित, जनपद सीईओ श्री अमित भाटिया, जनप्रतिनिधि, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला कार्यक प्रबंधक, पी डब्ल्यू सी टीम एवं अन्य कर्मचारी और महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य मौजूद रहीं।

बारिश में भी उमड़ा उत्साह, जिले में 'रन फॉर यूनिटी' का सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिले में आज प्रात:काल रन फॉर यूनिटी का भव्य आयोजन किया गया। हल्की बारिश के बावजूद नागरिकों, विद्यार्थियों, समाजसेवियों, खेल प्रेमियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और भाईचारे का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 07:00 बजे पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के निर्देशन में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मनेंद्रगढ़ से हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतीमा यादव ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सद्भाव को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। दौड़ स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मनेंद्रगढ़ से प्रारंभ होकर पुलिस परेड ग्राउंड, आमा खेरवा तक संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने देशभक्ति गीतों और नारों के साथ एक भारत, श्रेष्ठ भारत का नारा लगाते हुए सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता शपथ भी दिलाई गई। नागरिकों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ समाज में भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देने का दृढ़ संकल्प लिया।

खालेमूरवेंड में विकासखंड स्तरीय रजत महोत्सव का आयोजन

कोंडागांव, एजेंसी। जनपद पंचायत केशकाल अंतर्गत ग्राम पंचायत खालेमूरवेंड के स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रांगण में विकासखंड स्तरीय रजत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्कूल छात्र छात्राओं के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में विधायक श्री टेकाम के द्वारा 10 ग्राम पंचायतों पलोरा, रावबेड़ा, कोहकामेटा, बेड़मा, होनहेड, हिचका, चारभाटा, कर्रारमेटा, नयनार, तेंदूभाटा को पानी टैंकर प्रदान किया गया जिसमें सभी ग्राम पंचायत के सरपंच भी उपस्थित थे। साथ ही महिला एवं बाल विकास से गर्भवती माताओं को पोषण टोकरी, उद्यानिकी विभाग से हितग्राहियों को सब्जी बीज का वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष नंदनी पोटाई, जनपद पंचायत केशकाल सीईओ तथा तहसीलदार केशकाल भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल फरसगांव में राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती कार्यक्रम में हुए शामिल

शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के लिए एकजुट होने पर दिया जोर

कोंडागांव, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल गुरुवार को कोंडागांव जिले के फ़रसगांव में डड़सेना कलार समाज फ़रसगांव के सामाजिक भवन का लोकार्पण किया और बस्तर संभाग स्तरीय राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ माता बहादुर कलारिन और सहस्त्रबाहु अर्जुन की पूजा अर्चना के साथ हुई।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री जायसवाल ने कलार समाज के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा समाज गौरवशाली कल्चुरी वंश के पीढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में कई विविधताएं हैं, लेकिन हमारे विचार और संस्कार एक समान है। बस्तर क्षेत्र के समाज के लोगों का हर क्षेत्र में सक्रिय सहभागिता निभाते हैं। इसी तरह हमें समाज के लिए एकजुट होकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज आगे बढ़ता है। उपस्थित सभी लोगों से अपने बच्चों को अच्छे से पढ़ाई कराने का आग्रह किया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने बड़ेडोंगर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए दो करोड़ 10 लाख रुपए की घोषणा की। इसके अलावा समाज की मांग पर उरंदाबेड़ा और इरागांव में सामाजिक भवन निर्माण के लिए आश्वस्त किया।

इस दौरान केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज को आगे बढ़ाने के लिए एकजुटता पर जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सेवक राम नेताम, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, कलार समाज बस्तर संभाग के अध्यक्ष पुरुषोत्तम गजेन्द्र, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नेगी, रवि घोष, सोनी लाल जैन, देवकुमार जैन, केदार जैन, भगवती जैन, नीलकंठ शार्दूल सहित समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

निर्वाचन कार्यों में लापरवाही पर प्रशासन सख्त

प्रशिक्षण में अनुपस्थित 3 बीएलओ को शोकाज नोटिस जारी

सुकमा, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार चल रहे निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर जिला प्रशासन सुकमा पूरी गंभीरता और तत्परता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में 30 अक्टूबर को स्वामी इवेकानंद परिसर सुकमा में आयोजित बीएलओ (मतदान क्षेत्र स्तर अधिकारी) प्रशिक्षण में अनुपस्थित पाए गए तीन कर्मचारियों के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। प्रशिक्षण से अनुपस्थित पाए गए पावारास बीएलओ गणेश यादव, रामाराम बीएलओ मंगतूराम मोर्य तथा कुम्हारराास बीएलओ मनीष बांधे को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को दो दिवस के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि संबंधित अधिकारियों का जवाब असंतोषजनक पाया गया, तो अनुशासनात्मक कार्यवाही की अनुशंसा की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।

छीसगढ़ के रजत जयंती पर विशेष लेख

बस्तर जिले में 25 वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं का उल्लेखनीय विकास, स्वास्थ्य क्रांति से लाखों जीवन हुए सुरक्षित

जगदलपुर, एजेंसी। राज्य गठन के बाद बीते 25 वर्षों में बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक परिवर्तन और उल्लेखनीय सुधार देखने को मिले हैं। पहले जहां ग्रामीण और अंदरूनी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित थीं, वहीं अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक आधुनिक संसाधनों और विशेषज्ञ डॉक्टरों से सुसज्जित हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर बस्तर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में आई क्रांतिकारी बदलाव की कहानी प्रेरणादायक है। दूर-दराज के आदिवासी इलाकों में जहां कभी बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं भी दुर्लभ थीं, वहां आज आधुनिक मेडिकल कॉलेज, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मजबूत ग्रामीण स्वास्थ्य नेटवर्क खड़े हो चुके हैं। यह प्रगति न केवल लाखों लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रही है, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक उन्नति का आधार भी बन रही है।

स्व. बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय: बस्तर का स्वास्थ्य गढ़: वर्ष 2006 में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज बस्तर की स्वास्थ्य क्रांति का प्रतीक है। शुरुआत में प्रतिवर्ष 50 सीटों पर प्रवेश के साथ शुरू हुए इस कॉलेज का भूमि पूजन तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा 9 अगस्त 2006 को किया गया। निर्माण कार्य 2010 में शुरू होकर फरवरी 2013 में पूरा हुआ, और 3 अक्टूबर 2013 को मुख्यमंत्री द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। मार्च 2014 में जगदलपुर से डिमरापाल में स्थानांतरित होने के बाद, यह कॉलेज प्रदेश का एकमात्र वायरोलॉजी लैब संचालित कर रहा है, जो माइक्रोबायोलॉजी विभाग में स्थित है। भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (एमसीआई) से मान्यता प्राप्त इस संस्थान में एमसीआई मानकों के अनुरूप सभी चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं। अस्पताल का स्थानांतरण 6 जुलाई 2018 को नए भवन में हो चुका है, जिससे विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं और मजबूत हुई हैं। यह कॉलेज न केवल डॉक्टर तैयार कर रहा है, बल्कि महामारी जैसी चुनौतियों से निपटने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल: बस्तर को मिला विश्व स्तरीय स्वास्थ्य केंद्र: संभाग मुख्यालय जगदलपुर में डिमरापाल स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल अब बनकर तैयार है और जल्द ही सेवाएं शुरू होने वाली हैं। यह अस्पताल जटिल रोगों के इलाज में क्रांति लाएगा, जहां हृदय, किडनी और न्यूरो जैसी स्पेशलिटी सेवाएं उपलब्ध होंगी। बस्तर जैसे सुदूर क्षेत्र में यह अस्पताल स्थानीय लोगों को बड़े शहरों की यात्रा से मुक्ति दिलाएगा, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

महारानी अस्पताल: 1937 से जारी सेवा का आधुनिकीकरण: 1937 से बस्तर संभाग का सबसे बड़ा शासकीय अस्पताल महारानी अस्पताल आज भी स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत स्तंभ है। अगस्त 2006 से यह स्व. बलीराम कश्यप चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल के रूप में जाना जाता था, जहां 500 बिस्तर सक्रिय थे। 6 जुलाई 2018 से मेडिकल कॉलेज के अलग होने के बाद इसे पुनः महारानी अस्पताल के रूप में स्थापित किया गया। अस्पताल के जीर्णोद्धार के तीन चरणों में धन्वंतरी ओपीडी, सुश्रुत अस्थि रोग शल्य चिकित्सा कॉम्प्लेक्स, डिजिटल एक्स-रे, आईसीयू, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाएं शुरू की गईं। दूसरे चरण में फिजियोथेरेपी, आयुष विभाग और ऑडिटोरियम जोड़े गए, जबकि तीसरे चरण में कादम्बिनी मातृ-शिशु स्वास्थ्य संस्थान ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए टीकाकरण, सोनोग्राफी, प्रसव पूर्व-पश्चात जांच, सामान्य-सिजेरियन डिलीवरी, परिवार नियोजन और सीटी स्कैन जैसी सेवाएं शुरू कीं। वर्तमान में 200 बिस्तरों वाला यह अस्पताल दैनिक 700-800 ओपीडी, 40-45 आईपीडी, 8 प्रसव, 2200-2500 पैथोलॉजी टेस्ट और 65 एक्स-रे संचालित कर रहा है।

बाढ़ आपदा के लिए कंट्रोल रूम और नोडल अधिकारियों का सम्पर्क नंबर जारी

जगदलपुर, एजेंसी। मोंथा तूफान के तहत ऐतिहातन के लिए जिला कार्यालय जगदलपुर में बाढ़ आपदा कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसका सम्पर्क नम्बर 07782-222661है। इसके अलावा तहसील स्तर पर नोडल अधिकारियों के नंबर भी जारी किया गया है जिसमें तहसीलदार जगदलपुर श्री राहुल गुप्ता (7389214400), तहसीलदार बस्तर सुश्री जॉली जेम्स (9424291946), तहसीलदार तोकापाल यशोदा केतारप (9424297984), तहसीलदार लोहण्डीगुड़ा श्री कैलाश पोयाम (8770723024), तहसीलदार भानपुरी श्री जीवेश कुमार सोरी (9406422812), तहसीलदार दरभा श्री सुनील कुमार ध्रुव (898218562), प्रभारी तहसीलदार बकावण्ड श्रीमती जागेश्वरी पोयाम (7999626732), प्रभारी तहसीलदार करपावण्ड श्री गौतम गोरे (8962330903) और प्रभारी तहसीलदार बास्तानार श्री पुष्पराज मिश्रा (9179081224) का सम्पर्क नंबर जारी किया गया है।

रजत जयंती महोत्सव पर सुकमा में नए घरों की खुशियाँ

सुकमा का हर गांव सजेगा दीपों की रौशनी से

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर प्रदेशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत सामूहिक गृह प्रवेश एवं भूमि पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। राज्योत्सव स्थल नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के 3.51 लाख हितग्राहियों का सांकेतिक गृह प्रवेश कराएंगे। इसी कड़ी में सुकमा जिला भी इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनेगा। जिले में वित्तीय वर्ष 2024-26 के दौरान कुल 25,301 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 10,115 हितग्राही अपने आवास का भूमि पूजन करेंगे, जबकि 2802 हितग्राही अपने सपनों के पक्के घरों में गृह प्रवेश करेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत सुकमा जिले में अब तक उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विशेष परियोजना (स्पेशल प्रोजेक्ट) के तहत 1,090 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 793 आवासों की प्रथम किश्त, 104 की द्वितीय किश्त जारी की जा चुकी है और 7 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत स्वीकृत 3430 आवासों में से 793 आवास पूर्ण कर लिए गए हैं।

दीपों से जगमगाएंगे गांव - उत्सव की तरह मनाया जाएगा गृह प्रवेश दिवस: राज्य स्थापना दिवस 1 नवंबर को सुकमा जिले की सभी ग्राम पंचायतों में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान नवनिर्मित घरों को दीपों, रंगोली, पुष्पमालाओं और पारंपरिक सजावट से सजाया जाएगा। लाभार्थियों को ÷खुशियों की चाबी, आभार पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

पूरे जिले में इस दिन को एक ग्राम उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी की गई है। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि रजत जयंती महोत्सव के इस विशेष अवसर पर सुकमा जिले के दस हजार से अधिक परिवारों के जीवन में नई शुरुआत होने जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना से न केवल पक्के घर मिल रहे हैं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिले के सभी ग्राम पंचायतों में यह कार्यक्रम उत्सव की तरह मनाया जाएगा, जिसमें जनभागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सुकमा श्री मुकुन्द ठाकुर ने बताया कलेक्टर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को हर्षोल्लास और पारंपरिक अंदाज़ में मनाने की पूरी तैयारी की गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में रोजगार सहायकों, आवास मित्रों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों को जिम्मेदारी दी गई है ताकि हर हितग्राही तक इस खुशी का संदेश पहुंचे। यह आयोजन केवल गृह प्रवेश नहीं, बल्कि ग्रामीणों के आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम है।

सुकमा में 'पक्के सपनों' का उत्सव तैयार: घर, रोशनी और आत्मनिर्भरता का संगम रजत जयंती वर्ष के इस अवसर पर सुकमा जिला एक नई कहानी लिखने जा रहा है जहां हर घर में रोशनी होगी, हर परिवार के सपनों को मिलेगा एक पक्का ठिकाना और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) बनेगी खुशहाल सुकमा की नई पहचान।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर में किया रेडी-टू-ईट इकाई का उद्घाटन

रायपुर, एजेंसी। राज्य शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पहल कर उन्हें रेडी-टू-ईट निर्माण का दायित्व सौंपा गया है। जो महिलाओं के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगी। गुरुवार को उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने तुरेनार स्थित ग्रामीण औद्योगिक पार्क परिसर में प्रगति महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित रेडी-टू-ईट इकाई का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यहां उत्पादित पौष्टिक भोजन 409 आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचेगा, जहां प्रति माह 70 से 75 टन की खपत होगी। इससे बच्चों के पोषण के साथ-साथ महिला स्व सहायता समूहों को रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन मिलेगा। इकाई की मशीनरी की कुल लागत लगभग 55 लाख रुपये है, जिसमें 35 प्रतिशत अनुदान प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत उद्योग विभाग से प्राप्त हुआ। शेष राशि जीवन ज्योति क्लस्टर संगठन के माध्यम से बैंक लोन से जुटाई गई है। इकाई की उत्पादन क्षमता प्रति घंटे 5 क्विंटल है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्तमान शासन ने बच्चों एवं महिलाओं के सुपोषण को मद्देनजर रखते हुए फिर से महिला शक्ति के हाथों पोषण आहार तैयार करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है। छत्तीसगढ़ सरकार महिला स्व सहायता समूहों को तकनीकी, वित्तीय और बाजार सहायता देकर रेडी-टू-ईट उद्योग से जोड़ रही है। यह बस्तर की महिलाओं को आर्थिक सक्षमता और सशक्तता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक डॉ. सुभाऊ कश्यप, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री राजकुमार देवांगन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा